राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,5जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -337 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नगालैंड के जंगल में लगी आग बुझाने की कोशिश जारी, अभियान में भारतीय सेना भी हुई शामिल

कोहिमा। नगालैंड के कोहिमा जिले के जंगल में लगी आग को बुझाने की कोशिश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को वायुसेना के हेलीकॉप्टर, एनडीआरएफ और वन विभाग की टीम के अलावा पुलिसकर्मी भी आग बुझाने के काम में लगे रहे। दक्षिणी अंगामी क्षेत्र के दजुको रेंज में मंगलवार को दोपहर के बाद आग लगी थी। नगालैंड का प्रसिद्ध पर्यटक स्थल दजुको घाटी दजुको रेंज में ही स्थित है। कोहिमा के जिला वन अधिकारी राजकुमार एम ने बताया कि वायुसेना के विमानों ने आग बुझाने के लिए 12 उड़ानें भरीं। उन्होंने कहा कि नगालैंड पुलिस, वन विभाग, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें आग बुझाने के काम में लगी हुई हैं। वन अधिकारी ने कहा कि पायलटों के अनुसार आग फिलहाल नियंत्रण में है और इसे दजुको घाटी में आगे फैलने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। घटनास्थल पर निर्बाध संचार व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोहिमा पुलिस ने विस्वेमा गांव में कंट्रोल रूम बनाया है। नगालैंड स्थित जुकू घाटी एक पर्यटन क्षेत्र है। मंगलवार दोपहर से यहां आग लगी हुई है। रविवार को छठे दिन भी आग बुझाने का काम जारी रहा। कोहिमा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, वन विभाग, पुलिस, आग एवं आपदा सेवाएं और दक्षिणी अंगामी युवा संगठन के स्वयंसेवियों के रोकथाम के उपायों से नगालैंड की तरफ से आग पर अपेक्षाकृत नियंत्रण पा लिया गया है। मणिपुर के सेनापति जिले में भी आग फैल गई है। जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) कोहिमा, लेफ्टिनेंट कर्नल सुमित के. शर्मा ने कहा, राज्य सरकार की मांग के आधार पर कोहिमा के समीप वायुसेना के एमआइ-15वी5 हेलीकाप्टर का इस्तेमाल किया गया। आग बुझाने के लिए यह हेलीकाप्टर बांबी बकेट से लैस था। उन्होंने कहा कि अभी भी यह अभियान जारी है। कई जगह आग लगी है। कब तक पूरी तरह आग पर काबू पाया जा सकेगा यह नहीं कहा जा सकता।

चीनी कंपनी को मिला दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल का ठेका

न्यू अशोक नगर से साहिबाबाद तक बनाएगी 6 KM लंबी सुरंग

नई दिल्ली। वास्तविक नियंत्रण रेखा की वजह से भारत और चीन के संबंधों में बीते कुछ समय से तनाव की स्थिति बनी हुई है। हालात यहां तक पहुंच गए थे कि चीनी कंपनियों के ठएके तक रद्द कर दिए गए थे। लेकिन न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एक चीनी कंपनी को दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल परियोजना के कुछ हिस्सों के काम के लिए ठेका दिया गया है। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ने दिल्ली-मेरठ RRTS परियोजना के न्यू अशोक नगर से साहिबाबाद तक के 5.6 किलोमीटर के भूमिगत स्ट्रेच के निर्माण के लिए एक चीनी कंपनी, शंघाई टनल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को

ठेका दिया है। देश के पहले क्षेत्रीय रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) को निष्पादित करने वाली एनसीआरटीसी ने कहा कि निर्धारित प्रक्रिया और दिशानिर्देशों के बाद ही ठेका दिया गया है। कंपनी ने कहा, 'कई एजेंसियों द्वारा इसके लिए बोली लगाई गई थी। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर स्वीकृति लेनी होती है। इस बोली को निर्धारित प्रक्रिया और दिशानिर्देशों के बाद ही इजाजत दी गई थी।' एनसीआरटीसी के एक प्रवक्ता ने कहा, 'अब 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर के सभी सिविल वर्क टेंडर को जारी किया जा चुका है। इस परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए निर्माण कार्य जारी है।' आपको बता दें कि 82-किलोमीटर लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की आर्थइक मदद से तैयार किया जा रहा है। एडीबी के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक के सभी सदस्य देशों को बिना किसी भेदभाव के बोली प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति देनी है। एनसीआरटीसी ने 9 नवंबर, 2019 को न्यू अशोक नगर से दिल्ली गाजियाबाद मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के साहिबाबाद तक सुरंग के निर्माण के लिए बोलियां आमंत्रित की थीं। पांच कंपनियों ने इसके लिए बोली लगाई। ये सभी इसके लिए योग्य थे। एडीबी से तकनीकी बोली मूल्यांकन पर एनओसी प्राप्त करने के बाद बोलियां खोली गईं। पांच कंपनियों में से, शंघाई टनल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड सभी मापदंडों पर योग्य पाने के बाद ठेका दिया गया। पिछले साल सितंबर में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने आरआरटीएस ट्रेन के पहले लुक का अनावरण किया था, जिसका डिज़ाइन दिल्ली के प्रतिष्ठित लोटस टेम्पल से प्रेरित है। यह दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति प्राप्त कर सकता है। मंत्रालय के अनुसार, स्टेनलेस स्टील बॉडी वाली यह ट्रेनें काफी हल्की और पूरी तरह से वातानुकूलित होंगी।

भारत में दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम होगा शुरू-प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने औषधि नियामक द्वारा दो टीकों के सीमित आपात इस्तेमाल को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद सोमवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस को काबू करने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू होने वाला है। उन्होंने 'भारत में निर्मित टीकों के लिए वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश को उन पर गर्व है। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत में दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू होगा। इसके लिए, देश को अपने वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों के योगदान पर गर्व है।' मोदी ने राष्ट्रीय माप पद्धति सम्मेलन में वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत निर्मित उत्पादों की न केवल वैश्विक मांग हो, बल्कि उनकी वैश्विक स्वीकार्यता भी हो। उन्होंने कहा, किसी उत्पाद की गुणवत्ता उसकी मात्रा जितनी ही महत्वपूर्ण है। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाने के साथ-साथ हमारे मानक भी ऊंचे होने चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारत के औषधि नियामक ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड कोविड-19 टीके 'कोविशील्ड और भारत बायोटेक के स्वदेश में विकसित टीके 'कोवैक्सीन के देश में सीमित आपात इस्तेमाल को रविवार को मंजूरी दे दी, जिससे व्यापक टीकाकरण अभियान का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

योगी सरकार के इस प्रोजेक्ट से एक लाख लोगों को मिलेगी नौकरी, ग्रेटर नोएडा में चल रही तैयारी

लखनऊ। औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कहा है कि ग्रेटर नोएडा में मल्टी- मॉडल लॉजिस्टिक्स हब और मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब को विकसित करने में लगभग 3,884 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी। इससे एक लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही ईस्टर्न एवं वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से माल के कुशल भंडारण और परिवहन की सुविधा उपलब्ध होगी। यात्रियों की सुविधा के लिए बोराकी में रेल, सड़क और मास रैपिड ट्रांज़िट सिस्टम (एमआरटीएस) के साथ मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब परियोजना में अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल, लोकल बस टर्मिनल, मेट्रो, वाणिज्यिक, रिटेल और होटल सहित हरित स्थान भी होगा। दादरी में लॉजिस्टिक हब परियोजना को एक विश्वस्तरीय सुविधा के रूप में विकसित किया जाएगा जो फ्रेट कंपनियों और ग्राहकों को एक-स्टॉप गंतव्य प्रदान करेगी। इस परियोजना के विकास से न केवल उत्तम कंटेनर हैंडलिंग की सुविधा मिलेगी बल्कि परिचालन की बेहतर दक्षता के साथ लाजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए विभिन्न मूल्य-संवर्धित सेवाएं उपलब्ध होंगी।

निवेश प्रस्ताव को मंजूरी -औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने मेसर्स नानक लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के निवेश प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है। यह वेयरहाउसिंग इकाई लखनऊ के सरोजनी नगर के भउकापुर गांव में 86,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बनेगी। इसमें लगभग 85 करोड़ रुपये का निवेश होगा। मंत्री सतीश महाना ने कहा है कि ÷वेयरहाउसिंग सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें केंद्रीकृत भंडारण सुविधा उपलब्ध होती है। इसमें एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) के लिए बेहतर इन्वेंट्री प्रबंधन के साथ औद्योगिक इकाइयों में निर्मित उत्पादों की सुगम पैकिंग, वितरण, और डिलीवरी हो सकेगी। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने बताया कि वेयर हाउसिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में निवेश के लिए राज्य सरकार को लगभग 438 करोड़ रुपये के छह प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

कोरोना संकट के बीच नौ माह बाद फिर बिहार में हाईस्कूल, कॉलेज और कोचिंग सेंटर में पढ़ाई शुरू

पटना। बिहार में कोरोना संकट के बीच कोविड-19 गाइडलाइंस के साथ नौ माह बाद आज से राज्यभर के निजी शिक्षण संस्थान, कोचिंग समेत 9वीं से 12वीं के सरकारी स्कूल, कॉलेज सोमवार यानी आज से खुल जाएंगे। कोविड-19 से छात्रों के बचाव को लेकर तमाम एहतियातों संग पठन-पाठन चलेगा। हर कक्षा में आधी क्षमता में ही विद्यार्थी मौजूद रहेंगे।

14 मार्च 2020 से ही सभी शिक्षण संस्थान बंद-राज्य के करीब 8000 सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 36 लाख 61 हजार 942 बच्चों को दो-दो मास्क के हिसाब से करीब सवा 73 लाख मास्क जीविका के माध्यम से दिए जाएंगे। इन स्कूलों में एक दिन में 18 लाख 30 हजार 971 बच्चे ही आएंगे। गौर हो कि कोरोना संकट को देखते हुए 14 मार्च 2020 से ही सभी शिक्षण संस्थान बंद हैं। करीब साढ़े नौ महीने बाद अर्थात 296 दिनों की बंदी के बाद सोमवार को जब ये संस्थान खुलेंगे तो इनमें रौनक लौटेगी। साथ ही बच्चों को ऑनलाइन कक्षाओं से मुक्ति मिलेगी।

राज्य आपदा समूह की बैठक में फैसला-मुख्य सचिव दीपक कुमार की अध्यक्षता में 18 दिसम्बर को राज्य आपदा

समूह की बैठक में 4 जनवरी 2021 से स्कूलों-कालेजों-कोचिंग संस्थानों को खोले जाने को लेकर निर्णय लिया गया था। 24 दिसम्बर को शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक संस्थानों के सुरक्षित संचालन को लेकर विस्तृत गाइडलाइन जारी किया। उसके बाद सभी जिलों में डीईओ और डीएम ने स्कूल, कालेज, विवि तथा कोचिंग संस्थान के प्रबंधकों संग बैठक कर गाइडलाइन के पालन को लेकर उन्हें जागरूक किया।

बच्चों के छह फीट की दूरी पर बैठने की व्यवस्था-गाइडलाइन जारी होने के बाद सभी शैक्षिक संस्थानों के परिसर और वर्गकक्ष को सेनेटाइज करने का जिम्मा स्थानीय स्तर पर शिक्षण संस्थाओं के प्रधान को दिया गया था। स्कूल बंदी में ही बच्चों के छह फीट की दूरी पर बैठने की भी व्यवस्था सुनिश्चित करनी थी। शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने रविवार को 'हिन्दुस्तान' को बताया कि 4 जनवरी से स्कूल-कालेज खोलने की मुकम्मल व्यवस्था कर ली गयी है। सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय खुद इसकी मॉनिटरिंग करेगा। शुरुआती दिनों में अनुरक्षण की व्यवस्था जरूरी है। इसी अनुभव के आधार पर आगे पहली से 8वीं तक के स्कूलों के खोले जाने पर निर्णय लिया जाएगा।

पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त खाते में नहीं आई? कहीं आपने भी तो नहीं की ये गलती

नई दिल्ली। पीएम किसान सम्मान निधि स्कीम की सातवीं किस्त जारी हो चुकी है। पीएम नरेंद्र मोदी खुद 9 करोड़ किसानों के खातों में 18000 करोड़ रुपये भेजे हैं। अधिकतर किसानों के बैंक खातों में यह रकम क्रेडिट भी हो चुकी है। इसके बावजूद अगर आपके खाते में रकम नहीं पहुंची तो, इसकी सबसे बड़ी वजह है कुछ छोटी-मोटी गलतियां होना। जैसे किसी का आवेदन में लिखा गया नाम आधार से मैच नहीं करता या बैंक अकाउंट से नाम नहीं मिलता। किसी ने आधार नंबर सही नहीं डाला है या बैंक का आईएफएससी कोड में गलती कर रखी है। इन मामूली गलतियों की वजह से करीब लाखों किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि किस्त नहीं पहुंच पा रही है। अगर आाप भी इन लाखों किसानों में से हैं तो इस गलती को अभी सुधार लें। इसके लिए आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं है बल्कि आप घर बैठे अपने मोबाइल से ही ठीक कर सकते हैं, अगर आपने पीएम किसान ऐप डाउन लोड किया है तो गलतियां सुधारना और भी आसान है। आइए जानें कैसे करें इन गलतियों को ठीक...

PM-Kisan Scheme की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं। इसके फार्मर कॉर्नर के अंदर जाकर Edit Aadhaar Details ऑप्शन पर क्लिक करें। आप यहां पर अपना आधार नंबर दर्ज करें। इसके बाद एक कैप्चा कोड डालकर सबमिट करें। अगर आपका केवल नाम गलत होता है यानी कि अप्लीकेशन और आधार में जो आपका नाम है दोनों अलग-अलग है तो आप इसे ऑनलाइन ठीक कर सकते हैं। अगर कोई और गलती है तो इसे आप अपने लेखपाल और कृषि विभाग कार्यालय में संपर्क करें

सालभर से घरों में बंद लोग अब सीधे टीका लगवाने को बाहर निकलेंगे, ब्राजील में 265 दिन से आइसोलेशन में है एक युवती

नई दिल्ली। टीकाकरण की शुरूआत उन लोगों को घर की चौखट से बाहर निकलने का मौका देगी जो संक्रमण के डर से सालभर से घर में ही कैद हैं। ब्राजील के साओ-पाउलो स्टेट विश्वविद्यालय ने अपने सर्वे के आधार पर यह दावा किया है। सर्वे में पाया गया कि मार्च में संक्रमण फैलने के बाद से घर में खुद को आइसोलेट कर चुके लोग अब सीधे टीका लगवाने के लिए ही घर से बाहर निकलने का मन बना चुके हैं। गौरतलब है कि महामारी के कारण अमेरिका के बाद ब्राजील में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं।

ब्राजील के राज्य चेयर की राजधानी फोर्टालेजा में ऐसे लोगों की संख्या बहुत अधिक है जिन्हें घर से बाहर निकले 200 से अधिक दिन हो चुके हैं। यहां रहने वाली

32 वर्षीय बार्बी फर्टाडो को घर में ही आइसोलेट रहते हुए 265 दिन हो चुके हैं। स्वस्थ होने के बावजूद उन्होंने बाहर न जाने का फैसला किया। उन्होंने स्थानीय मीडियो को जूम के माध्यम से दिए साक्षात्कार में बताया कि 18 मार्च से वह घर में ही हैं और तब तक अपना धैर्य नहीं खोएंगी, जब तक उनके टीका लगने की तारीख तय नहीं हो जाती। तब ही वह घर से बाहर निकलकर बाहर जाएंगी और कोविड-19 का टीका लगवाकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर लेंगी। ब्राजील में टीकाकरण शुरू होने में अभी वक्त है।

सस्ती डिलीवरी सेवाएं मददगार बनीं

शोधकर्ता अर्थशास्त्री गेसुइर पिगाट्टो कहना है कि फर्टाडो जैसे तमाम लोग अपने घरों में रहने हुए खरीदारी, दफ्तर के काम आदि कार्य इसलिए कर सके क्योंकि उनके पास पर्याप्त संसाधन हैं। साथ ही ब्राजील के दूसरे क्षेत्रों के विपरीत इस शहर में डिलीवरी सेवाएं बहुत सस्ती हैं।

आठ फीसदी लोग लगातार आइसोलेशन में रहे

ब्राजील में अगस्त में महामारी के छह माह पूरे होने पर एक सर्वे हुआ, जिससे पता लगा कि यहां की आठ प्रतिशत आबादी मार्च के बाद से कभी घर से नहीं निकली। अक्तूबर के सर्वे से पता लगा कि उस वक्त जब देश में पहली लहर समाप्त हो रही थी तब यहां की एक फीसदी आबादी लगातार आइसोलेशन में बनी हुई थी। इसके बाद से लगातार यहां मौतों व रोजाना संक्रमण का आंकड़ा बढ़ने लगा है, ये एक फीसदी लगातार आइसोलेशन में हैं और टीका लगवाने के लिए ही बाहर निकलेंगे।

कोरोना वैक्सीन के मामले में दुनिया में किसी से कम नहीं है भारत, देश में बन रहे हैं ये 9 कोरोना टीके

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के खिलाफ जंग के बीच भारत ने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि वह स्वास्थ्य से जुड़े अनुसंधान के क्षेत्र में किसी से कम नहीं है। देश में नौ कोरोना टीकों का विकास इस तथ्य को मजबूती प्रदान करता है। भारत सरकार ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी-एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के आपात इस्तेमाल को मंजूदी दे दी है। वहीं, कई ऐसे टीके हैं,जो जल्द ही परीक्षण की प्रक्रिया को पूरा कर लेंगे। फिलहाल, देश में कई कोरोना टीके बन रहे हैं, जो ये हैं-

1-कोविशील्ड- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और दवा कंपनी ऐस्ट्राजेनेका के टीके कोविशील्ड का उत्पादन सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कर रही है। इस टीके को

भारत में इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन इसका तीसरे चरण का परीक्षण जारी है।

2-कोवैक्सीन- इस कोरोना वैक्सीन को हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक और आईसीएमआर के सहयोग से बनाया गया है। भारत में कोवैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन तीसरे चरण का परीक्षण अभी जारी है।

3-जाइकोव-डी- कैडिला हेल्थकेयर की वैक्सीन डीएनए प्लेटफॉर्म पर बनाई जा रही है और इसका नाम है-जाइकोव-डी। इसके लिए कैडिला ने बायोटेकनोलॉजी विभाग के साथ सहयोग किया है। इसके तीसरे चरण का क्लीनिकल परीक्षण जारी है।

4-स्पुतनिक-V- यह रूस की गेमालाया नेशनल सेंटर द्वारा विकसित वैक्सीन है। स्पुतनिक-ङ्क वैक्सीन के तृतीय चरण का परीक्षण और उत्पादन हैदराबाद की डॉक्टर रैडीज लैब कर रही है।

5-एनवीएक्स-कोव 2373- देश में बन रही एक वैक्सीन का नाम है-एनवीएक्स-कोव 2373 । इसका उत्पादन पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट कर रही है, इसके लिए इंस्टीट्यूट ने अमेरिकी कंपनी नोवावैक्स के साथ साझेदारी की है। इसके तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण जारी है।

6-बायोलॉजिकल ई लिमिटेड का टीका- अमेरिकी की एमआईटी की बनाई प्रोटीन एंटीजेन बेस्ड वैक्सीन का उत्पादन हैदराबाद की बायोलॉजिकल ई लिमिटेड कर रही है। इसके पहले और दूसरे चरण के मानव परीक्षण जारी हैं।

7-एचजीसीओ-19- अमेरिका की एचडीटी कंपनी के टीके का उत्पादन पुणे की जिनोवा कंपनी कर रही है। इस टीके का नाम है-एचजीसीओ-19। इस वैक्सीन के पहले और दूसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण जल्द शुरू होंगे।

8-भारत बायोटेक का दूसरा टीका- अमेरिका के थॉमस जेफरसन यूनिवर्सिटी के सहयोग से हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक एक अन्य कोरोना टीका का उत्पादन

कर रही है। यह टीका अभी प्रयोगशाला के स्तर पर है। अभी इसका क्लिनिकल परीक्षण शुरू नहीं हुआ है।

9-ऑरोबिंदो फॉर्मा का टीका- अमेरिकी के ऑरोवैक्सीन के साथ मिलकर भारत की ऑरोबिंदो फार्मा एक वैक्सीन बनी रही है जो अभी प्राथमिक चरण में हैं

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

एक और मास्क

यह एक साबित तथ्य है कि हम इंसान जलवायु परिवर्तन के लिए मूल रूप से जिम्मेदार हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन में मवेशियों का भी योगदान कोई कम नहीं है। मवेशियों में भी गायों का प्रदूषण में सबसे ज्यादा योगदान है। ये मवेशी मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। मीथेन वायुमंडल के लिए कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 84 गुना अधिक जहरीली गैस है। ग्रीनहाउस गैसों में मीथेन का बहुत योगदान है। मीथेन के जरिए भी उतना ही प्रदूषण होता है, जितना कि जीवाश्म ईंधन के जरिए। यह बहुत अच्छी खबर है कि ब्रिटेन की एक स्टार्ट-अप कंपनी ने विशेष मास्क का निर्माण किया है। इस मास्क को गाय के मुंह या नथुनों पर आसानी से लगाया जा सकता है। जब गाय मीथेन उत्सर्जित करेगी, तो यह मास्क उसे कार्बन डाइऑक्साइड और एच2ओ यानी पानी में बदल देगा। यह मास्क पशुओं को आसानी से पहनाया जा सकता है और उन्हें किसी तरह की तकलीफ होने की आशंका नहीं है। ब्रिटेन में मिली यह सफलता बहुत उम्मीद जगाती है। जेल्प (जीरो एमिशन पशुधन प्रोजेक्ट) नाम के स्टार्ट-अप का कहना है कि मवेशियों में 60 प्रतिशत तक मीथेन उत्सर्जन कम करने में मास्क सक्षम है। मास्क को और विकसित व प्रचारित करने की प्रक्रिया भी चल रही है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि कृषि या पशुपालन क्षेत्र में मीथेन गैस उत्सर्जन शुरू से ही चिंता का विषय बना हुआ है और इस मोर्चे पर लंबे समय से काम चल रहा है। पहले एक ऐसे खाद्य पदार्थ का निर्माण किया गया था, जिससे पशुओं से होने वाले मीथेन उत्सर्जन को कम किया जा सकता है, लेकिन इस खाद्य या दवा की एक खामी भी है, इससे किसी पशु की मौत भी हो सकती है। जाहिर है, पशुओं को भोजन में मिलाकर देने वाली खुराक को सफलता नहीं मिली। अब मास्क के आविष्कार से आशा जगी है। यह मास्क पशुओं की पाचन या श्वसन क्रिया के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ नहीं करेगा। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, पशुधन उद्योग 7.1 गीगाटन ग्रीनहाउस गैसों या वैश्विक स्तर पर 14.5 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। अकेले मवेशी उद्योग हर साल 5.24 गीगाटन गैस उत्सर्जन में योगदान देता है। पशुपालन के क्षेत्र में विशेष रूप से गायों से होने वाले मीथेन उत्सर्जन को रोकना ज्यादा जरूरी है। गायों की तुलना में भैंसें बहुत कम मीथेन उत्सर्जन करती हैं। वैसे बनाए गए मास्क से केवल मीथेन उत्सर्जन रोकने का काम ही नहीं, बल्कि दूसरे काम भी लिए जा सकते हैं। मास्क में जीपीएस सिस्टम लगाया गया है और गाय की तमाम गतिविधियों को इसके जरिए रिकॉर्ड किया जा सकता है। यह पशुपालन उद्योग में बहुपयोगी उपकरण होगा। बेशक, अब कंपनियों को कोशिश यह करनी चाहिए कि दुनिया भर के गोपालकों तक इस मास्क को सस्ते में पहुंचाया जाए। इंसानों के लिए यह संभव है कि हम ऐसे उत्पाद बनाएं, जिससे पशुओं द्वारा होने वाले उत्सर्जन को रोका जा सके। पर ऐसे उत्पाद बनाते हुए पशुओं के अधिकारों को भी सुनिश्चित करना होगा। पशुपालन उद्योग में नए-नए यंत्र आ रहे हैं, पर पशुओं के प्रति बुरा बर्ताव भी बढ़ रहा है। उन्हें मास्क पहनाने में सबका हित है, लेकिन इतने भर से जलवायु परिवर्तन या ग्लोबल वार्मिंग के प्रति हमारी जिम्मेदारी कतई कम नहीं हो जाएगी।

आज के ट्वीट

मंदिर

चाँदनी चौक में हनुमान मंदिर को रात के अंधेरे में क्यों तोड़ा गया?
'आप' तो खुद भी हनुमान मंदिर जाते थे?
-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

अब जिंदगी की लय को गतिमान कीजिए

सुरेश सेठ

बीते वर्ष में एक ही दृढ़ता पूरे देश ने दिखाई कि कोरोना की महामारी के भीषण प्रकोप में न आत्मबल टूटा, न जूझने की भावना। यही जिजीविषा अब नये वर्ष में हमें दिखानी होगी। किसान आंदोलन से संतुष्ट करके धरती-पुत्र अपने खेतों को लौटें और गिरावट की राह पर चलता हुआ उद्योग और व्यवसाय क्षेत्र बल पकड़े, यही इस नये वर्ष की जिजीविषा की भावना होनी चाहिए। उम्मीद है कि देशभर में कोरोना से मुकाबले के लिए एक अभूतपूर्व टीकाकरण अभियान चलाया जा सकेगा ताकि जिंदगी अपने सामान्य धरातल पर आ सके। यह विलोम बात है कि ब्रिटेन से नये स्ट्रेन वाला कोरोना भी विश्व के आठ देशों के साथ भारत में दस्तक दे रहा है। भारत में उतरे ब्रिटेन से आए कुछ यात्रियों में इसके चिन्ह पाए गए हैं लेकिन इस बात की दिलासा ले लें कि अब टीका आ गया है, जो परिचित कोरोना वायरस और उसके नये तेवर पर भी प्रभावी होगा और इस तरह देश खुलेगा, और नये वर्ष में एक नयी कार्य संस्कृति का जन्म होगा। भारत में न मांग की कमी है और न मेहनत की पर इस सुषुप्त मांग को जागृत करना है। मेहनत का उचित इस्तेमाल करना है। इस समय स्थिति यह है कि चाहे शेयर बाजार ने, कोरोना के टीके की आमद से सामान्य जिंदगी हो जाने की उम्मीद में, फिर शिखर छू लिया है लेकिन आम निवेशक हतोत्साहित है। बाजार बेजार हैं और पूंजी अभी भी देश के नये निवेश स्थलों में आने से हिचकिचा रही है। इसलिए अब एक अजब जिजीविषा के साथ देश का हर नागरिक आगे बढ़े। नये वर्ष में पुराने आर्थिक रोग खत्म हो जाएं। विकास दर बढ़ेगी और इसके लिए सरकार, समाज और जनता को अतिरिक्त प्रयास करना होगा। यू.एन. की रिपोर्ट में कहा है कि दक्षिणी और दक्षिण-पश्चिमी एशिया विकास के प्रति बहुत लचीला है, इसलिए अगले वर्ष में भारत का विदेशी निवेश घटने के स्थान पर फिर बढ़ने लगेगा और अब इसके 20 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन यह भी सच है कि इसके साथ पिछले साल की लम्बी कोरोना पीड़ित अवधि में बेरोजगारी की दर बुलंदियों को छूने लगी। इसलिए अब नये वर्ष में केवल उत्पादन बढ़ाने से ही बात नहीं बनेगी, उपभोग या मांग को भी बढ़ाना होगा। तब अर्थव्यवस्था कोविड पूर्व दिनों में आ सकेगी जब लॉकडाउन नहीं हुआ था। इस लॉकडाउन में करोड़ों लोगों ने अपना रोजगार और जीने का सहारा खो दिया। इसीलिए अब आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना का नारा नये वर्ष में दिया गया है। सरकार ने घोषणा की है कि जून तक 50-60 लाख नयी नौकरियां औपचारिक क्षेत्र में पैदा कर दी जाएंगी। यह एक सही घोषणा है लेकिन इसके साथ ही अर्थशास्त्रियों का एक सुझाव भी है कि 140 करोड़ लोगों में सीधे 5000 रुपये तक के कैश वाउचर प्रति व्यक्ति बांट दिए जाएं और इससे पैदा होने वाले घाटे के बजट को 7 प्रतिशत ब्याज वाले 30 वर्षीय बांड्स को इश्यू करके पूरा किया जाए। इससे मांग सीधे बढ़ जाएगी। लेकिन अगर यह न भी हो सके तो आम आदमी के रोजगार और आय के प्रति एक उदार दृष्टिकोण अपनाकर मांग बढ़ाई जा सकती है। सरकार की नीति यह होनी चाहिए कि किसानों को संतुष्ट करने के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को भी आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए ताकि इस नये वर्ष में बेकारों को रोजगार मिले और छोटे उद्यमियों को कमाई। नये वर्ष की चुनौतियों के लिए जूझने के वास्ते एक नये दृष्टिबोध का विकास भी हो। नया वर्ष शुरू हो गया। आम आदमी, निवेशक और उद्यमी और व्यवसायी अभी तक कोविड के सदमे से बाहर नहीं आए। कोविड के नये स्ट्रेन ने उन्हें और भी डरा दिया है। एक ही उम्मीद है कि कोरोना की दवाई मिल गई है, जो शीघ्र ही भारतीय अर्थव्यवस्था को निर्बाध गति से बढ़ने का मौका देगी। देश का माहौल सामान्य हो जाएगा। लेकिन सबसे पहला प्रश्न यह है कि अगर हम तरक्की के रास्ते पर चल निकलते हैं तो क्या उखड़ी हुई श्रम शक्ति जो अब नगरों से गांवों की ओर पनाह लेने के लिए चली गई है, वापस आ जाएगी या उसे समय लगेगा? क्योंकि इस श्रम शक्ति को उनके गांव-घरों के आसपास कृषि आधारित छोटे उद्योगों में खपा दिया जाए, यह एक लम्बे समय की कार्ययोजना हो सकती है, तात्कालिक नहीं। फिलहाल नये वर्ष का विजन यह होना चाहिए कि देश में जहां जो अवरुद्ध है, उसे फिर से गतिमान किया जाए। इसके लिए आर्थिक उदारता के साथ-साथ सरकारी प्रोत्साहन की बहुत आवश्यकता है। यह प्रोत्साहन उचित कर छूटों और उत्साही अनुदान राहतों से पैदा किया जा सकता है। इस समय कोरोना वायरस के प्रभाव के कारण भारत के उत्पादकों के लिए बेचने की अंतर्राष्ट्रीय मंडियां सिकुड़ गई हैं और उत्पादन की प्राथमिकताएं भी बदल रही हैं। सामान्य जिंदगी को उचित पटरी पर लाने के लिए सबसे पहले तो भारत के आम आदमी के लिए रोजी-रोटी की उचित व्यवस्था करनी होगी। मंदी के बादल तो कोविड महामारी से पहले ही देश पर छाने लगे थे। इसलिए निवेशकों, उत्पादकों और किसानों का भरोसा उचित पूंजी आपूर्ति के साथ फिर से अर्थतंत्र के कारगर हो जाने में पैदा हो। जो क्षेत्र बंद पड़े हैं, उन्हें फिर से खोलना है। पर्यटन क्षेत्र, मनोरंजन क्षेत्र और उसके अंतर्गत चलने वाले सिनेमा, होटल, रेस्तरां फिर से अपनी लय में चलने लगें और साथ ही साथ नौजवानों में उच्छृंखलता और अवसाद को कम करने के लिए उन्हें फिर से शिक्षा की सार्थकता से आश्वस्त किया जाए। जल्दी से जल्दी देश के शिक्षालयों को खोला जाए और नौजवानों की शक्ति के इस्तेमाल के सब उत्पादक रास्ते फिर शुरू हों। बेशक पिछले वर्ष की कोरोना महामारी ने देश के आर्थिक और सामाजिक मानचित्र को बदल दिया है। कीमतों ने अकल्पनीय ऊंचाइयों को छुआ है। बेकारी ने भी अपनी हदें पार कर दी हैं। जितनी जल्दी नये वर्ष में जिंदगी सामान्य हो सके, उतनी जल्दी भारत की अर्थव्यवस्था पर जो कुठाराघात हुआ है, उससे उभरा जा सकता है। इस दिशा में प्रधानमंत्री के दो नये नारे देश का आत्मनिर्भर बनना और दवाई के साथ कड़ाई भी बहुत कारगर हो सकते हैं लेकिन देखना होगा कि यह केवल नारे ही न रह जाएं।

ज्ञान गंगा

सच्चिदानंद

श्रीराम शर्मा आचार्य

भगवान के यों अगणित नाम हैं, उनमें से एक नाम है-सच्चिदानंद। सत का अर्थ है-टिकाऊ अर्थात न बदलने वाला-न समाप्त होने वाला। इस कसौटी पर केवल परब्रह्म ही खरा उतरता है। उसका नियम, अनुशासन, विधान एवं प्रयास सुस्थिर है। सृष्टि के मूल में वही है। परिवर्तनों का सूत्र-संचालक भी वही है। इसलिए परब्रह्म को सत् कहा गया है। चित का अर्थ है-चेतना, विचारणा। जानकारी, मान्यता, भावना आदि इसी के अनेकानेक स्वरूप हैं। मानवी अंतःकरण में उसे मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार के रूप में देखा जाता है। बुद्धिमान और मूर्ख सभी में अपने विभिन्न स्तरों के अनुरूप वह विद्यमान रहती है। प्राणियों की चेतना बृहत्तर चेतना का एक अंग-अवयव मात्र है। इस ब्रह्माण्ड में अनंत चेतना का भण्डार भरा पड़ा है। उसी के द्वारा पदाथरे को व्यवस्था का एवं प्राणियों को चेतना का अनुदान मिलता है। परम चेतना को ही परब्रह्म कहते हैं। अपनी योजना के अनुरूप वह सभी को दौड़ने एवं सोचने की क्षमता प्रदान करती है। इसलिए उसे 'चित' अर्थात चेतन कहते हैं। इस संसार का सबसे बड़ा आकषर्ण 'आनंद' है। आनंद जिसमें जिसे प्रतीत होता है वह उसी ओर दौड़ता है। शरीरगत इंद्रियां अपने-अपने लालच दिखाकर मनुष्य को सोचने और करने की प्रेरणा देती हैं। सुविधा-साधन शरीर को सुख प्रदान करते हैं। मानसिक ललक-लिप्सा, तृष्णा और अहंता की पूर्ति के लिए ललचाती रहती हैं। अंतःकरण की उत्कृष्टता वाला पक्ष आत्मा कहलाता है। वस्तुतः आनंद प्रकारान्तर से प्रेम का दूसरा नाम है। जिस भी वस्तु, व्यक्ति एवं प्रकृति से प्रेम हो जाता है, वही प्रिय लगने लगती है। प्रेम घटते ही उपेक्षा चल पड़ती है और यदि उसका प्रतिपक्ष-द्वेष उभर पड़े, तो फिर वस्तु या व्यक्ति के रूपवान, गुणवान होने पर भी वे बुरे लगने लगते हैं। अंधेरे में जितने स्थान पर टॉर्च की रोशनी पड़ती है, उतना ही प्रकाशवान होता है। प्रेम को ऐसा ही टॉर्च-प्रकाश कहना चाहिए, जिसे जहां भी फेंका जाएगा, वहीं सुंदर, प्रिय एवं सुखद लगने लगेगा। वैसे इस संसार में कोई भी पदार्थ या प्राणी अपने मूल रूप में प्रिय या अप्रिय है नहीं। हमारा दृष्टिकोण, मूल्यांकन एवं रु झान ही आनंददायक अथवा अप्रिय, कुरूप बनाता चलता है और दृष्टिकोण के अनुसार ही अनुभूति होते चली जाती है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

जीवन बदलने वाले चमत्कारी शब्द

रेनू सैनी

नया वर्ष दस्तक दे चुका है। जाने वाला वर्ष आम वर्षों से बेहद अलग रहा। कोरोना जैसी महामारी ने हमें बहुत कुछ सिखाया है। 2020 को विदा करने के साथ ही हर व्यक्ति ने दिल से यही दुआ की कि वर्ष 2021 में विश्व कोरोना मुक्त हो जाए। लोग नव वर्ष के आगमन की खुशी में नये-नये संकल्प ले रहे हैं। कोई वजन कम करने का संकल्प ले रहा है, कोई सुबह जल्दी उठने का, कोई नियमित व्यायाम करने का तो कोई अच्छा पद प्राप्त करने का। हालांकि यह भी सच है कि इनमें से कइयों के संकल्प नये साल के पन्द्रह दिन होते ही गायब होने लगेंगे और पहले की तरह ही दिनचर्या चलने लगेगी। आपने इस वर्ष क्या संकल्प लिया? अगर आपने इस वर्ष का संकल्प चुन लिया है तो बधाई, पर हां अपने उस संकल्प को कमज़ोर मत होने दीजिएगा, उसे पूरा कीजिएगा। आपके संकल्पों को पूरा करने में शब्दों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। तो चलिए जान लें कि किन शब्दों का प्रयोग करके अपने सपनों को पूरा करके नये साल को अधिक सफल बनाया जा सकता है। कई बार लोग अपने सुझावों और आदेशों का पालन न होने पर बेहद कठोर रणनीति अपना लेते हैं। इसी कारण उनके शत्रु बनते देर नहीं लगती। शत्रु संकल्पों को पूरा करने में अवरोध उत्पन्न करते हैं। इस साल कठोर बनने के बजाय शब्दों का प्रयोग कर लचीला बनना सीखें। सकारात्मक और रचनात्मक नीति हर विपरीत परिस्थिति को सहेज देती है। यह बेहद कारगर नीति है। एक बार अलबामा यूनिवर्सिटी के प्रसिद्ध फुटबॉल कोच पॉल बियर ब्रायन्ट से पूछा गया कि चैम्पियन फुटबॉल टीम बनाने के लिए किस चीज की सबसे अधिक आवश्यकता होती है? उन्होंने कहा, 'मैं अरकांसस का किसान हूं। मैंने यह सीख लिया है कि टीम को इकट्ठा कैसे रखा जाता है। किस तरह कुछ लोगों को ऊपर उठाया जाता है, बाकियों को कैसे शांत किया जाता है, जब तक कि आखिरकार उनके दिल एक सुर में न धड़कने लगें-एक टीम। मैं बस उन्हें तीन चीज करने के लिए कहता हूं :- अगर कोई चीज खराब हुई है, 'तो मैंने की है।' -अगर कोई चीज आधी अच्छी हुई है, तो हमने की है। -अगर कोई चीज सचमुच अच्छी हुई है, तो आपने की है।' ब्रायन्ट का मानना था कि ये सचमुच शक्तिदायक शब्द हैं। सकारात्मक शब्दों की ताकत को आज विश्व के कोने-कोने में जाना जाता है। यह बात वास्तव में सत्य है कि आप ब्रह्माण्ड से जो भी मांगोगे, वह आपको किसी भी तरह से मिलेगा। इसलिए शब्दों में सकारात्मकता, सच्चाई, निष्कपटता और मेहनत का झलकना जरूरी है। अटलांटा के एक डिपार्टमेंटल स्टोर में एक साइनबोर्ड लगा हुआ था। उस साइनबोर्ड में लिखा था :- अंग्रेजी भाषा के छह सबसे महत्वपूर्ण शब्द हैं : मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूं। पांच सबसे महत्वपूर्ण शब्द हैं :- 'आपने बेहतरीन काम किया है।' चार सबसे महत्वपूर्ण शब्द हैं, 'आपकी राय क्या है?' तीन सबसे महत्वपूर्ण शब्द हैं, 'अगर आप चाहें।' दो सबसे महत्वपूर्ण शब्द, 'आपको धन्यवाद।' एक सबसे महत्वपूर्ण शब्द, 'हम।' सबसे कम महत्वपूर्ण शब्द, 'मैं।' सकारात्मक सोच में यदि लचीले शब्द डाल दिए जाएं तो फिर लोहा भी टूट जाता है। इसलिए अपने शब्दों पर गौर करें और उन्हें बदलने का प्रयत्न करें। यदि आपके शब्दों से लोग नाराज हो जाते हैं, आपके काम बिगड़ जाते हैं तो तुरंत लचीले शब्दों को अपने जीवन में लाने का प्रयत्न करें। हर स्थिति में मतभेद से कार्य बिगड़ जाते हैं, इसलिए मतभेद के बजाय सहमति एवं मन मिलाने का प्रयत्न करें। प्रतिरोध के बजाय खुले दिमाग वाला बनने का प्रयत्न करें। उपरोक्त एक से लेकर छह शब्द बेहद शक्तिशाली, खुली सोच वाले और सकारात्मक हैं। इनका प्रयोग करना आरंभ करें। कुछ ही समय बाद आपको यह ज्ञात हो जाएगा कि 'बिना टूटे झुकने' और 'बिना हारे प्रेम करने' का क्या अर्थ होता है। एक फांसीसी सूक्ति है कि 'महत्वपूर्ण यह नहीं है कि आप क्या कहते हैं, महत्वपूर्ण तो यह है कि आप किस तरह कहते हैं।' आप जिन शब्दों को लगातार बोलते हैं, वही आपकी किस्मत बनाते या बिगाड़ते हैं। किस्मत ऊपर से नहीं बनती बल्कि आपके शब्दों के चयन से बनती है। अनेक विवाद केवल शब्दों के हेर फेर से पनपते हैं और हैरानी की बात यह है कि अनेक विवादों का अंत भी केवल समझदारी भरे शब्दों का चयन करके ही किया जा सकता है। समझदारी भरे छह शब्द आपके सामने हैं। आप इस नव वर्ष पर उनका प्रयोग करने की आदत डालें। धीरे-धीरे ये शब्द कुछ ही समय में आपकी किस्मत, व्यक्तित्व, कामयाबी सबको बदल देंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेंसेक्स पहली बार 48 हजार के ऊपर बंद, निफ्टी भी नए शिखर पर

बिजनेस डेस्क:

देश में दो कोरोना वैक्सीन को मिली मंजूरी की खबर से 2021 के पहले कारोबारी हफ्ते की शुरुआत धमाकेदार हुई। 4 जनवरी को बाजार रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ है। इसमें **BSE** सेंसेक्स पहली बार 48,176 पर बंद हुआ। बाजार में चौतरफा तेजी रही। इसमें सबसे ज्यादा **IT** और मेटल सेक्टर में दर्ज की गई। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 48,200 के लेवल को भी पार किया। हालांकि इंट्राडे में अचानक बाजार में आधे घंटे के लिए गिरावट दर्ज की गई, जिसे मार्केट एक्सपर्ट मुनाफावसूली कह रहे हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 114.40 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,132.90 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में 21 दिसंबर के बाद से लगातार तेजी का क्रम बना हुआ है। इस दौरान नौ कारोबारी दिवस में सेंसेक्स 2,622.84 अंक यानी 5.76 प्रतिशत और निफ्टी 804.05 अंक यानी 6.04 प्रतिशत चढ़ चुका है। मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने ज्यादा विश्वास दिखाया। बीएसई का मिडकैप आज 1.42 प्रतिशत चढ़कर 18,421.52 अंक पर और स्मॉलकैप 1.37 प्रतिशत की बढ़त में 18,510.83 अंक पर बंद हुआ। देश में कोविड-19 टीकाकरण का ड्राइ रन शुरू होने की घोषणा से निवेशक अर्थव्यवस्था के जल्द पटरी पर लौटने को लेकर आशावित हैं। साथ ही विदेशों में नववर्ष के अवकाश के बाद पहली बार बाजार खुलने पर लौटी तेजी से भी निवेश धारणा मजबूत बनी हुई है। धातु, आईटी, टेक, तेल एवं गैस, दूरसंचार, स्वास्थ्य और एफएमसीजी कंपनियों ने बाजार की बढ़त में सर्वाधिक योगदान दिया। सेंसेक्स की कंपनियों में ओएनजीसी का शेयर चार प्रतिशत से अधिक चढ़ा। टीसीएस में भी पौने चार फीसदी की तेजी रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर तीन फीसदी, टेक महिंद्रा का ढाई फीसदी और इंफोसिस तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर दो फीसदी से अधिक चढ़े। कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर करीब डेढ़ फीसदी टूट गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने व्हॉट्सएप बैंकिंग सेवाएं शुरू कीं

मुंबई: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बॉब) ने मैसेजिंग मंच व्हॉट्सएप पर बैंकिंग सेवाएं शुरू करने की घोषणा की है। बैंक ऑफ बड़ौदा व्हॉट्सएप के जरिए खाते में बैलेंस की जानकारी, मिनी स्टेटमेंट, चेक की स्थिति जानकारी, चेकबुक आग्रह, डेबिट कॉर्ड को ब्लॉक करने और उत्पाद एवं सेवाओं के बारे सूचना जैसी सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। बैंक के कार्यकारी निदेशक ए के खुराना ने बयान में कहा, ''सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच हमारा मानना है कि व्हॉट्सएप बैंकिंग के जरिए ग्राहकों को काफी सुविधा मिलेगी और वे अपनी बैंकिंग जरूरतों को पूरा कर पाएंगे।'' मैसेजिंग मंच के जरिए बैंकिंग सेवाएं चौबीसों घंटे सातों दिन उपलब्ध होंगी। इसके लिए अतिरिक्त ऐप्लिकेशन डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। ऐसे लोग जो बैंक के ग्राहक नहीं हैं, वे भी मंच के जरिये बैंक के उत्पादों, सेवाओं, पेशकश, एटीएम और शाखा के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।

सोना 51 हजार के पार, चांदी 2000 रुपए से ज यादा हुई महंगी

मुंबई: नव वर्ष के अवकाश के बाद विदेशों में दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में जबरदस्त तेजी से घरेलू वायदा बाजार में भी सोमवार को सोने-चांदी में मजबूत बढ़त देखी गई। एमसीएक्स वायदा बाजार में सोना 836 रुपए यानी 1.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 51,080 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सोना मिनी 793 रुपए चमककर 51,059 रुपए प्रति दस ग्राम बोला गया। चांदी 2,016 रुपए यानी 2.96 प्रतिशत चढ़कर 70,139 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर रही। चांदी मिनी भी 1,938 रुपए की मजबूती के साथ 70,040 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि कोविड-19 महामारी के नए मामलों में वृद्धि के कारण निवेशकों ने पीली धातु का रुख किया है जिससे विदेशों में सोने के दाम बढ़े हैं। टीकों के इस्तेमाल को मिल रही मंजूरियों के बीच नए मामले बढ़ रहे हैं और कई देशों में दुबारा लॉकडाउन लगाए जा रहे हैं। इससे निवेशक सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने पर पैसा लगा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 34.25 डॉलर चमककर 1,932.80 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। यह करीब दो महीने की सबसे बड़ी एकदिनी तेजी है। फरवरी का अमेरिकी सोना वायदा भी 41.8 डॉलर की छलांग लगाकर 1,935.90 डॉलर प्रति औंस बोला गया। चांदी हाजिर 0.97 डॉलर चढ़कर 27.32 डॉलर प्रति औंस पर रही।

नये स्वरूप, पुनरुद्धार वाला साल होगा 2021: आनंद महिंद्रा

नयी दिल्ली, महिंद्रा समूह कोविड-19 संकट से मजबूत बनकर उभरा है और इस प्रतिकूल और बुरे साल 2020 को नये स्वरूप और पुनरुद्धार के वर्ष में बदला जाएगा। यह बात समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कही। समूह के 2.56 लाख कर्मचारियों को नये साल के मौके पर अपने संबोधन में महिंद्रा ने कहा कि पिछले साल महामारी के कारण विभिन्न समस्याओं के बावजूद 'कुछ अप्रत्याशित रूप से अच्छी चीजें सामने आईं।' उन्होने कोविड-19 टीकों का जिक्र करते हुए कहा कि उद्देश्य से संचालित कारोबार, नये सिरे से शुरुआत (रिबूट) और पुनर्मूल्यांकन के संदर्भ में समूह के लिये यह एक सीखने वाली बात है। कोविड-19 टीकों के विकास पर शोधकर्ताओं और नियामकों ने तेजी से काम किया और यह 10 महीने में बनकर तैयार हुआ जबकि इसमें औसतन 10 साल तक का समय लग जाता। महिंद्रा ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस कहानी से पहला महत्वपूर्ण सबक यह है कि उद्देश्य से संचालित कारोबार के लिये समय आ गया है।'' उन्होंने कहा कि टीके का विकास सही मायने में उद्देश्य से संचालित कारोबार है, जिसपर समूह 1997 से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि दूसरी महत्वपूर्ण सीख तेजी से अपने-आप को आगे के लिये तैयार करना यानी 'रिबूट' करने की है। यह देखने की जरूरत है कि किस प्रकार चिकित्सा विज्ञान ने अपने परंपरागत रुख को छोड़ और कोविड-19 की नई समस्या से निपटने के लिये स्वयं को तैयार किया। इसके लिये प्रक्रियाओं को पुनर्गठित किया गया, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया, अनावश्यक चीजों को हटाया गया और उद्देश्यपूर्ण तरीके से काम करते हुए टीके का विकास किया गया। महिंद्रा ने कहा, ''अबतक, आपको पता है कि एक टीके के विकास में औसतन 10 साल का समय लगता था। और इसके बावजूद, हमने केवल 10 महीने में एक नहीं बल्कि तीन प्रभावी टीकों का विकास कर लिया। और इसका श्रेय जाता है कोविड-19 संकट को।'' उन्होंने कहा कि वह कोविड-19 टीके के विकास से अधिक उत्साहजनक दूसरा किसी उदाहरण के बारे में नहीं सोच सकते। समूह भी इसी प्रकार कर रुख अपनाकर अधिक मजबूत बनकर उभरा है।महिंद्रा ने कहा, ''सवाल है कि हमने यह कैसे किया? ठीक उसी तरीके से जिस प्रकार टीके के मामले में हुआ। प्रौद्योगिकी का उपयोग किया और प्रक्रियाओं को नया रूप दिया गया। अनावश्यक और अप्रसांगिक चीजों को हटाया गया। अपनी पूंजी का और प्रभावी तरीके से उपयोग करते हुए तेजी और स्फूर्ति के साथ आगे कदम बढ़ाया गया।'' उन्होंने कहा कि महिंद्रा समूह कोविड-19 संकट से मजबूत बनकर उभरा है और इस प्रतिकूल और बुरे साल 2020 को आगे नये रूप वाले और पुनरुद्धार के वर्ष में बदला जाएगा

भारत बायोटेक के चेयरमैन ने कहा, 'हम पर अनुभवहीन होने का आरोप न लगाएं'

नेशनल डेस्क:

कोरोना महामारी के बीच भारत के औषधइ नियामक ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (**DCGI**) ने देश में दो कोविड टीकों के उपयोग को रविवार को मंजूरी दे दी है। डीसीजीआई ने जिन दो टीकों के सीमित आपात उपयोग की मंजूरी दी है, उनमें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और एस्ट्राजेनेका के द्वारा के द्वारा सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर तैयार कोविशील्ड तथा घरेलू दवा कंपनी भारत बायोटेक के द्वारा विकसित पूर्णतः स्वदेशी कोवैक्सीन शामिल है। भारत बायोटैक के चेयरमैन कृष्णा झल्ला ने कहा, 'हम पर अनुभवहीन होने का आरोप न लगाएं, हम कई टीकों के निर्माता हैं।' उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि हम डेटा को लेकर पारदर्शी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सारे डेटा पब्लिक डोमेन पर हैं और इसमें कुछ सीक्रेट नहीं है। उन्होंने कोवैक्सीन को दुनिया के सबसे सुरक्षित कोरोना वैक्सीन में से बताया. डॉ. कृष्णा इल्ला ने कहा, हमने वैश्विक स्तर पर 18 से अधिक क्लीनिकल ट्रायल किए हैं. हम इतनी बड़ी संख्या में क्लीनिकल ट्रायल करने वाले विकासशील देश की सबसे बड़ी कंपनी हैं। गौरतलब है कि भारत बायोटेक ने फेज 2 में 12-18 साल के बच्चों पर भी वैक्सीन का ट्रायल किया था. इसके आधार पर **DCGI** ने क्लिनिकल ट्रायल मोड में आपातकालीन हालत में वैक्सीन के सीमित इस्तेमाल की मंजूरी दी है और इसमें 12 वर्ष या इससे ऊपर के बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि अभी सरकार की प्राथमिकता जिन 30 करोड़ लोगों को वैक्सीन देने की है उनमें बच्चे शामिल नहीं हैं।

विवाद से विश्वास योजना: एक लाख करोड़ के विवादित कर मामलों का निपटान

बिजनेस डेस्क:

सरकार के साथ कर मुद्दों को लेकर कानूनी मुकदमों में उलझे करीब 5 लाख उद्यमों में से 20 प्रतिशत ने सरकार की विवाद निपटान योजना को चुना है। इससे करीब 83 हजार करोड़ रुपए की विवादित राशि से जुड़े मामलों को सुलटाने में मदद मिली।

वित्त मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2020-21 का बजट पेश करते हुए प्रत्यक्ष कर से जुड़े पुराने कानूनी मामलों को सुलटाने के लिए 'विवाद से विश्वास' योजना की घोषणा की थी। योजना के जरिए विभिन्न अपीलीय मंचों में लंबित करीब 4.8 लाख अपीलों के चलते अटके 9.32 लाख करोड़ रुपए के कर- राजस्व को मुक्त करने का प्रयास था।

वित्त सचिव अजय भूषण पांडेय ने कहा, ''लंबित मामलों में से 96 हजार ने लंबित कानूनी मामले के निपटान की योजना का चयन किया। इन मामलों में करीब 83 हजार करोड़ रुपए का राजस्व अटका पड़ा है।''

31 जनवरी है समय सीमा

पांडेय ने कहा कि इस योजना के तहत मिल रहे आवेदनों और दिसंबर में आवेदनों में तेजी को देखते हुए सरकार ने इसकी समय सीमा एक महीने बढ़ाकर 31 जनवरी कर दी थी। इस योजना को अपनाने वाली कंपनियों अथवा फर्मों को उनसे मांगे गए कर का भुगतान करना है और उनके खिलाफ जारी विवाद को बंद कर दिया जाएगा और दंडात्मक कार्रवाई को भी छोड़ दिया जाएगा।

एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा कर मांग का निपटान किया

उन्होंने कहा, ''योजना के तहत एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की कर मांग का निपटान कर लिया गया है। यह कर मांग गलत जानकारी दर्ज होने के कारण पैदा हुई थी।'' विवाद से विश्वास योजना का लाभ उठाने वाली कंपनियां जैसे ही बकाया कर का भुगतान करती है, उनके खिलाफ लंबित मामले को वापस लिया मान लिया जाता है और ब्याज, जुर्माना और दंड को भी निरस्त कर दिया जाता है। ये मामले आयकर आयुक्त (अपील) और कर न्यायाधिकरणों से लेकर उच्च अदालतों और मध्यस्थता केन्द्रों तक में लंबित हैं।

कोविड-19 टीके की लागत सरकार को 3-4 डॉलर, निजी क्षेत्र को 6-8 डॉलर बैठेगी : सीरम

नयी दिल्ली,

एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कोरोना वायरस टीके की लागत सरकार को प्रति खुराक 3-4 डालर (219-292 रुपये) बैठेगा। इस वैक्सीन की भारतीय विनिर्माता सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने सोमवार को यह जानकारी दी। दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन विनिर्माता एसआईआई के पास कोविड-19 वैक्सीन की खुराक के उत्पादन का लाइसेंस है और अबतक वह पांच करोड़ खुराक का उत्पादन भी कर चुकी है। एसआईआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने पीटीआई-भाषा से कहा कि कंपनी पहले चरण में भारत सरकार और जीएवीआई (वैक्सीन और टीकाकरण के वैश्विक गठजोड़) देशों को कोविशील्ड की बिक्री शुरू करेगी। उसके बाद वैक्सीन की बिक्री निजी बाजार को की जाएगी। भारतीय औषधि नियामक ने रविवार को कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी है। पूनावाला ने कहा, ''हम चाहते हैं कि सभी को उचित कीमत पर यह वैक्सीन उपलब्ध हो। भारत सरकार को यह टीका काफी कम कीमत 3-4 डॉलर में मिलेगा। वे बड़ी मात्रा में टीका खरीदेंगे।'' महामारी की शुरुआत होने पर पूनावाला ने कोविड-19 वैक्सीन की उम्मीद के बीच बड़ा जोखिम लेते हुए यूरोप और अमेरिका को भेजे जाने वाले उत्पादों को 'बंद' कर सीरम की असेंबली लाइन को नए सिरे से तैयार किया। पूनावाला ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर यह वैक्सीन भारत और जीएवीआई देशों को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत और जीएवीआई देशों की जरूरतों को पूरा करने के बाद ही निजी बाजार को यह टीका उपलब्ध कराया जाएगा। पूनावाला ने कहा कि निजी बाजार में यह टीका 6-8 डॉलर में दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक महीने तक सीरम के बाद इस टीके की 10 करोड़ खुराक होगी। अप्रैल तक संभवतः यह आंकड़ा दोगुना हो जाएगा। सरकार ने संकेत दिया है कि उसे जुलाई, 2021 तक 30 करोड़ खुराक की जरूरत होगी। शुरुआत में यह टीका स्वास्थ्य कर्मियों और बुजुर्गों को लगाया जाएगा।

एडीबी बेंगलुरु में बिजली वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिये देगा 10 करोड़ डॉलर का कर्ज

नयी दिल्ली.

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) बेंगलुरु शहर में बिजली वितरण प्रणाली को आधुनिक रूप देने और उसे उन्नत बनाने के लिये 10 करोड़ डॉलर (करीब 730 करोड़ रुपये) का कर्ज देगा। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में यह कहा। इसके अलावा एडीबी बेंगलूर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लि. (बीईएससीओएम) की एक परियोजना के लिये बिना सरकारी गारंटी के 9 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा। बीईएससीओएम कर्नाटक में पांच सरकारी वितरण कंपनियों में से एक है। बयान के अनुसार, ''एडीबी और भारत सरकार ने 31 दिसंबर, 2020 को 10 करोड़ डॉलर के कर्ज को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह कर्ज कर्नाटक में बेंगलुरु शहर में बिजली की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने के लिये और बिजली वितरण प्रणाली को आधुनिक एवं उन्नत बनाने को लेकर है।'' बयान के अनुसार कर्ज से बीईएससीओ की भूमिगत तारों के परिचालन और रखरखाव क्षमता मजबूत होगी। साथ ही वित्तीय प्रबंधन और वाणिज्यिक वित्त पोषण सुदृढ़ होगा। वित्तीय प्रबंधन क्षमता में सुधार से बीईएससीओएम को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक वित्त बाजार तक पहुंच में मदद मिलेगी।

उत्पादन, बिक्री बढ़ाने के लिए 1,500 नियुक्तियां करेगी निसान, डीलर भागीदार

नई दिल्ली:

जापान की वाहन निर्माता कंपनी निसान उत्पादन बढ़ाने तथा बिक्री की टीम को मजबूत बनाने के लिए अपने डीलर पार्टनर के साथ मिलकर भारत में 1,500 नियुक्तियां करने वाली है। कंपनी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने हाल ही में स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) मैग्नाइट को बाजार में उतारा है। कंपनी की योजना मैग्नाइट का उत्पादन बढ़ाने के लिए चेन्नई संयंत्र में तीसरी पारी (शिफ्ट) शुरू करने की है। कंपनी मैग्नाइट का उत्पादन अभी के प्रतिमाह करीब 2,500 इकाई से बढ़ाकर फरवरी माह से मासिक 3,500 से 4000 इकाई करना चाह रही है। निसान को दो दिसंबर मैग्नाइट को उतारने के बाद से इसके लिए करीब 32,800 बुकिंग मिल चुकी हैं। इसके लिए डिलिवरी का समय कई महीने का हो चुका है। निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक राकेश श्रीवास्तव ने एक आभासी प्रेस कांफ्रेंस में संवाददाताओं से कहा, ''हम चाहते हैं कि हमारे ग्राहक शीघ्रता से मैग्नाइट का आनंद लें और इसके लिए हम उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। हम संयंत्र में तीसरी पारी शुरू करने जा रहे हैं और इसके लिए हम संयंत्र में एक हजार लोगों को नौकरी पर रखने वाले हैं।'' उन्होंने कहा कि इसके अलावा 500 अन्य लोगों को कंपनी के डीलरशिप के लिए नियुक्त किया जाएगा, ताकि ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। रेनो-निसान के चेन्नई स्थित संयुक्त संयंत्र की क्षमता सालाना 4.8 लाख वाहन बनाने की है। इस संयंत्र से कंपनी 100 से अधिक देशों में निर्यात करती है। श्रीवास्तव ने बताया कि मैग्नाइट के शुरुआती संस्करण को छोड़ अन्य संस्करणों की कीमतें बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। कंपनी ने इससे पहले कहा था कि लागत में वृद्धि को देखते हुए जनवरी से विभिन्न मॉडलों के दाम 5 प्रतिशत तक बढ़ाए जाएंगे। निर्यात की रणनीति के बारे में श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी इंडोनेशिया और दक्षिण अफ्रीका को मैग्नाइट का निर्यात करने पर विचार कर रही है।

सैट ने सेबी के कर्ज वापसी के आदेश के खिलाफ दायर शिविन्दर की अपील खारिज की

नई दिल्ली:

प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने बाजार नियामक सेबी के रेलिगेयर एंटरप्राइजेज और रेलिगेयर फिनवेस्ट को कर्ज वापस लेने के आदेश के खिलाफ फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रवर्तक शिविन्दर मोहन सिंह की अपील खारिज कर दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मार्च, 2019 को दिए अपने अंतरिम आदेश में रेलिगेयर एंटरप्राइजेज और रेलिगेयर फिनवेस्ट को सिंह और कई अन्य इकाइयों को दिए गए 2,065 करोड़ रुपए के कर्ज को वापस लेने के लिए कदम उठाने को कहा था। अंतरिम आदेश के अनुसार रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह की इकाइयों के उपयोग के लिए कोष को रेलिगेयर फिनवेस्ट के बही-खातों से निकाला गया था। नियामक ने शिकायतों के आधार पर यह निर्देश दिया था। शिकायत में रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की अनुषंगी रेलिगेयर फिनवेस्ट में वित्तीय कुप्रबंधन और कोष की हेरा-फेरी का आरोप लगाया गया था। सेबी ने सितंबर, 2019 में इस बाबत अंतिम आदेश जारी किया। नियामक के आदेश के बाद सिंह ने सैट का दरवाजा खटखटाया। अपीलीय न्यायाधिकरण ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि जब कोष की हेराफेरी हुई, सिंह दोनों कंपनियों के निदेशक और प्रवर्तक थे। न्यायाधिकरण के अनुसार सिंह ने दलील दी कि उनका कोष की हेराफेरी से कोई लेना-देना नहीं है लेकिन इस मौके पर उनके इस तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता। सैट ने 24 दिसंबर को दिए आदेश में कहा, ''हमारा आदेश में हस्तक्षेप का कोई इरादा नहीं है। अपील को खारिज किया जाता है और यह निर्देश दिया जाता है कि पूर्णकालिक सदस्य अपीलकर्ता (सिंह) द्वारा कारण बताओ नोटिस का जवाब दिए जाने की तारीख के छह महीने के भीतर मामले में निर्णय करेंगे।''

कोयला खदानों से उठाव को लेकर बुनियादी ढांचा मजबूत बनाने के लिये कई कदम रही है सरकार

नयी दिल्ली,

कोयला मंत्रालय ने कहा है कि सरकार कोयला उठाव से जुड़ी ढांचागत सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिये नई रेलवे लाइन बिछाने समेत कई पहल कर रही है। बोलीदाताओं के सवालों के जवाब में कोयला मंत्रालय ने कहा, ''भारत सरकार कोयला क्षेत्र के लिये ढांचागत सुविधाओं के विकास के लिये प्रतिबद्ध है। सरकार ने कोयला खानों से जीवाश्म ईंधन के उठाव को लेकर कई कदम उठाए हैं। इसमें नई रेलवे लाइन बिछाना और कोयला उठाव से जुड़े बुनियादी ढांचा को सुदृढ़ बनाने के लिये अध्ययन किया जाना शामिल हैं।'' कोयला मंत्रालय ने पिछले महीने चार कोयला ब्लॉक के लिये बोलियां फिर से आमंत्रित की। वाणिज्यिक खनन के लिये पहले दौर की नीलामी में इन ब्लॉक के लिये निविदा प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था क्योंकि प्रत्येक खदान के लिये तकनीकी रूप से पात्र एक-एक बोलीदाता ही थे। कोयला मंत्रालय ने अपने जवाब में यह भी कहा कि सरकार ने कोयला उत्पादक क्षेत्रों में जमीन अधिग्रहण को लेकर प्रस्ताव तैयार किया है और प्रस्ताव पर राज्यों के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है। हालांकि बोलीदाता की यह जिम्मेदारी है कि वे निर्धारित कानून के अनुरूप जमीन का अधिग्रहण करें। इससे पहले, कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा था कि सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया एक अरब टन उत्पादन लक्ष्य हासिल करने के लिये कोयला उठाव से जुड़ी परियोजनाओं और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी पर 2023-24 तक पर 1.22 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी।

चीनी कंपनी को मिला दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल प्रोजेक्ट का ठेका, पिछले साल लगी थी रोक

नेशनल डेस्क:

दिल्ली से मेरठ के बीच बनने जा रही रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (**RRTS**) के एक सेक्शन का ठेका एक चीनी कंपनी को दिया गया है। पिछले साल सीमा पर जारी तनाव के बीच इस कंपनी का ठेका रोक दिया गया था। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (**NCRTC**) ने साहिबाबाद के दिल्ली के न्यू अशोक नगर से गाजियाबाद के साहिबाबाद तक के 5.6 किमी लंबे अंडरग्राउंड स्ट्रेच को बनाने का ठेका शंघाई टनल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को दिया गया है। **NCRTC** के द्वारा देश के पहले रीजनल रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (**RRTS**) का विकास किया जा रहा है। पिछले साल जून में इस पर काफी विवाद हुआ था, जब भारत-चीन सीमा विवाद के बीच यह खबर आयी थी कि चीनी कंपनी ने सबसे कम रकम की बोली लगायी है। इस विवाद को देखते हुए चीनी कंपनी के ठेके पर रोक लगा दी गयी थी।

क्या कहा NCRTC ने

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक **NCRTC** का कहना है कि यह ठेका तय प्रक्रियाओं और निर्देशों के मुताबिक दिया गया है। **NCRTC** के प्रवक्ता ने कहा, ठेकों के लिए मंजूरी कई स्तरों पर दी गई है।

इसकी फंडिंग कई एजेंसियों के द्वारा की जा रही है। यह बिड भी तय प्रक्रिया और निर्देश के मुताबिक दी गई है। अब 82 किमी लगे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर के सभी सिविल वर्क का ठेका दे दिया गया है। निर्माण कार्य तेजी से जारी है और प्रोजेक्ट समय से चालू होगा।

क्या है दिल्ली-मेरठ रेल कॉरिडोर का ठेका

दिल्ली-मेरठ के बीच सेमी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनना है। इस प्रोजेक्ट से दिल्ली, गाजियाबाद होते हुए मेरठ से जुड़ेगी। 82.15 किलोमीटर लंबे आरआरटीएस में 68.03 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड और 14.12 किलोमीटर अंडरग्राउंड होगा। अंडर ग्राउंड स्ट्रेच को बनाने का काम चीनी कंपनी को दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

बुंदेसलीगा : लेवांडोवस्की के गोल से जीता बायर्न म्यूनिख

म्यूनिख। फीफा के वर्ष सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए स्ट्राइकर रोबर्ट लेवांडोवस्की के बेहतरीन दो गोलों की मदद से जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख ने मैंज को 5-2 से हराकर बुंदेसलीगा की अंकतालिका में शीर्ष हासिल कर लिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, लेवांडोवस्की का सीजन का यह 19वां गोल है और लीग में सर्वाधिक गोल करने के वाले खिलाड़ियों की सूची में टॉप पर हैं। लेवांडोवस्की ने मैच के 76वें मिनट में पहला और 83वें मिनट में पेनाल्टी पर दूसरा गोल किया। लेवांडोवस्की के अलावा किमिच ने 50वें, साने ने 55वें और सुले ने 70वें मिनट में गोल किया। मैंन की ओर से जोनाथन बुकाडट ने 32वें और एलेक्जेंडर हैक ने 44वें मिनट में गोल किया। बायर्न म्यूनिख की यह लगातार तीसरी जीत है और वो पिछले 12 मैचों से अजेय चल रही है।

आईएसएल-7

मुम्बई सिटी की कड़ी चुनौती का सामना करेगी बेंगलुरु

फातोर्दा (गोवा)। पूर्व चैम्पियन बेंगलुरु एफसी को हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में पिछले दो मैचों में लगातार दो हार झेलनी पड़ी है और लीग के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि सुनील छेत्री की कप्तानी वाली बेंगलुरु लगातार दो मैचों में एक भी अंक नहीं ले पाई है। कोच कार्लेस कुआड्रॉर्ट की टीम अब मंगलवार को फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शानदार फॉर्म में चल रही मुम्बई सिटी की चुनौती का सामना करेगी। कुआड्रॉर्ट को उम्मीद है कि एक सप्ताह के बाद ब्रेक से टीम को मदद मिलेगी। कुआड्रॉर्ट ने कहा, इस सप्ताह हमारे पास कुछ ज्यादा समय थे और हम तीन अंक हासिल करने की कोशिश करेंगे। पिछले दो मैचों में टीम मौके बनाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन दुर्भाग्यवश गोल नहीं कर पाई। अच्छी बात यह है कि दूसरे खिलाड़ी भी गोल कर रहे हैं। इसका मतलब यह है कि हम किसी एक खास खिलाड़ी पर निर्भर नहीं हैं। बेंगलुरु ने इस सीजन में अब तक 11 गोल किए हैं, लेकिन इनमें से आठ गोल सेट पीस से आए हैं। पूर्व चैम्पियन ने साथ ही नौ गोल खाएं भी हैं। उन्होंने कहा, हमें और बेहतर होना होगा और गोल नहीं खाना होगा क्योंकि हम पिछले दो मैचों में एक गोल से ही हारे हैं। जब आप गोल खाते हैं तो आप हार सकते हैं। खिलाड़ी समझते हैं कि हम बहुत ही सकारात्मक तरीके से काम कर रहे हैं। बेंगलुरु का मुम्बई के खिलाफ खराब रिकॉर्ड रहा है। मुम्बई की टीम पिछले दो सीजन से बेंगलुरु से एक बार भी नहीं हारी है। मुम्बई सिटी इस समय अपने शानदार फॉर्म से गुजर रही है। टीम पिछले सात मैचों से अजेय चल रही है जबकि पिछले दो मैचों में उसने क्लीन शीट कायम रखा है। कोच सर्जियो लोबेरा का मानना है कि वे बेंगलुरु की कड़ी चुनौती का सामना कर चुके हैं। लोबेरो ने कहा, मुझे लगता है कि पिछले दो मैचों से ज्यादा मुश्किल मैच ये मैच होने वाला है। बेंगलुरु की टीम डिफेंस काफी अच्छी है। हमारे लिए यह मुश्किल होगा। हमें परिस्थिति के अनुसार खुद को ढ़ालने की जरूरत है। मुम्बई सिटी पिछले सात मैचों में प्रत्येक मैच में गोल किया है और इस सीजन में वह अब तक सबसे ज्यादा 13 गोल दाग चुका है। टीम ने अब तक सबसे कम तीन गोल खाएं हैं। लोबेरा ने कहा, हमें फुटबाल का आनंद लेने की जरूरत है और प्रत्येक मैच पर ध्यान बनाए रखने की जरूरत है। अब हमारा ध्यान बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले मैच पर है।

अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव नें जीता एयरथिंग्स मास्टर्स शतरंज

अजरबैजान (निकलेश जैन)

एक समय दुनिया के सबसे ज्यादा प्रतिभाशाली खिलाड़ी माने गए और कई वर्षों के बाद खेल मे वापस लौटे अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव एक बार फिर विश्व शतरंज मे अपनी स्थिति मजबूत करते जा रहे है ।

2019 मे फीडे विश्व कप जीतने के बाद अब दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी मे एयरथिंग्स मास्टर्स ऑनलाइन शतरंज का खिताब हासिल करते हुए उन्होने अपना लोहा मनवाया है । फाइनल मुकाबले मे अर्मेनिया के लेवोन अरोनियन को पहले दिन 2.5-1.5 से मात देने के बाद दूसरे दिन भी उन्होने अरोनियन को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 2-1 से जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया ।

तैमूर रद्जाबोव नें ना सिर्फ यह खिताब हासिल किया बल्कि उन्होने सितंबर मे होने वाले ग्रांड फ़ाइनल मे भी अपना स्थान पक्का कर लिया है आज हुए मुकाबले मे पहला मैच सबसे बेहतरीन साबित हो सकता था जहां आरोनियन जीत के करीब जाकर चूक गए दूसरे मैच मे रद्जाबोव की जीत असल बढ़त साबित हुई तीसरे मैच के ड्रॉ होते ही रद्जाबोव विजेता बन गए और उनके चेहरे से इस जीत का महत्व साफ पता चल रहा था , पुरूष्कार के तौर पर उन्हे 60 हजार अमेरिकन डॉलर मिले आरोनियन भले फाइनल मे हार गए पर उन्होने नाकामुरा और एमवीएल को बेहतरीन अंदाज मे मात दी थी और वह उपविजेता के सही दावेदार थे उन्हे दूसरे स्थान पर कुल 40000 डॉलर का पुरुष्कार मिला । तीसरे स्थान पर एमवीएल रहे उन्होने अंतिम दिन डुबोव को 2.5-1.5 से पराजित करते हुए यह स्थान हासिल किया और उन्हे 25000 डॉलर का पुरूष्कार मिला ।

कोविड-19 चिंताओं के बीच जापान ओलंपिक के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने सोमवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए वह दृढ़ हैं, हालांकि देश में कोविड-19 महामारी की स्थिति बिगड़ रही है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सुगा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के लिए वह दृढ़ संकल्प के साथ तैयारी करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि वायरस के खिलाफ वह हर संभव उपाय करेंगे और पूरी दुनिया को आशा और साहस प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि उनकी सरकार टोक्यो और उसके आसपास के क्षेत्रों स्टेट ऑफ इमरजेंसी घोषित करने पर विचार करेगी क्योंकि पिछले कुछ सप्ताह से ये क्षेत्र काफी प्रभावित हुए हैं। टोक्यो ओलंपिक खेलों का आयोजन बीते साल जुलाई-अगस्त में होना था, लेकिन विश्वव्यापी कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया था।

ब्रिस्बेन में नहीं खेलने पर बीसीसीआई से कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया

मेलबोर्न :

भारतीय टीम के चौथे टेस्ट के लिए ब्रिस्बेन नहीं जाने की खबरों के बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से उसे इस बाबत कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा है कि वह नियमित रूप से बीसीसीआई के संपर्क में है और मौजूदा हालात में सीरीज अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी। ऐसी खबरें आयी थी कि भारतीय टीम कड़े प्रतिबंधों के कारण ब्रिस्बेन नहीं जाएगी और ऐसी स्थिति में सिडनी में ही आखिरी टेस्ट खेलना पसंद करेगी। ब्रिस्बेन में सात जनवरी से तीसरा टेस्ट होना है जबकि चौथा और आखिरी टेस्ट ब्रिस्बेन में 15 जनवरी से खेला जाना है। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने इस संभावना को खारिज करते हुए कहा था कि ऑस्ट्रेलिया सिडनी के मैदान में लगातार दो मैच खेलने के पक्ष में नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने भी कहा है कि टीम सिडनी के बाद चौथा टेस्ट खेलने ब्रिस्बेन जाएगी। दूसरी तरफ भारतीय मीडिया इस मामले को ऑस्ट्रेलिया की तरफ से माइंड गेम बता रहा है। इस विवाद के भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पड़ने की अटकलों के बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक होक्ली ने कहा, 'बीसीसीआई ने क्विंसलैंड के क्वारेंटीन नियमों का पूरा समर्थन किया है। हम रोज बीसीसीआई से बात करते हैं। हम बीसीसीआई की किसी भी सलाह के लिए तैयार हैं। दोनों टीम निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खेलना चाहती हैं।' इससे पहले सिडनी जाने से पूर्व दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के कोरोना टेस्ट नेगेटिव आए थे। उल्लेखनीय है कि नए साल के मौके पर भारतीय टीम के पांच खिलाड़ी रोहित शर्मा, रिषभ पंत, शुभमन गिल, नवदीप सैनी और पृथ्वी शॉ एक इंडोर रेस्टोरेंट में खाने गए थे जो नियमों के विपरीत था जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और बीसीसीआई ने इस मामले की जांच करने पर सहमति जताई थी। इस मामले के सामने आने के बाद इन पांचों भारतीय खिलाड़ियों को एहतियातन आइसोलेशन में रखा गया था। हालांकि सभी खिलाड़ियों के कोरोना टेस्ट नेगेटिव आने के बाद टीम इंडिया ने राहत की सांस ली है।

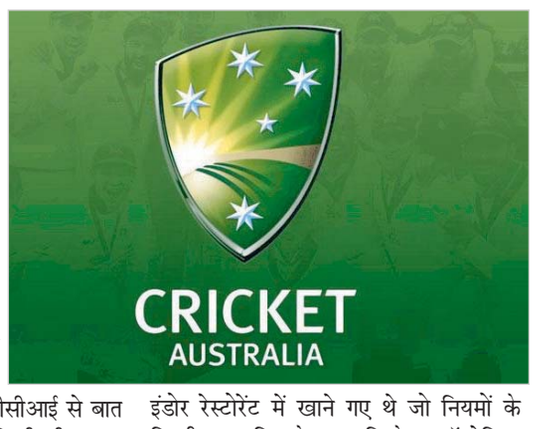

संक्षिप्त समाचार

EPL : मैनचेस्टर सिटी ने चेल्सी के खिलाफ जीता मैच

लंदन । चेल्सी को कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों के कारण कमजोर हुई मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ इंग्लिश प्रीमियर लीग में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा जो पिछले छह मैचों में टीम की चौथी हार है। मैनचेस्टर सिटी की ओर से इकाय गुनडोगन, फिल फोडेन और केविन डि ब्रून ने पहले हाफ में गोल दागे जबकि चेल्सी की ओर से एकमात्र गोल कैलम हडसन ओडोई ने मैच खत्म होने से कुछ सेकेंड पहले इंजरी टाइम में किया। इस हार के बाद चेल्सी की टीम 17 मैचों में 26 अंक के साथ आठवें स्थान पर खिसक गई है। मैनचेस्टर सिटी की टीम 15 मैचों में 29 अंक के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। लीवरपूल की टीम 16 मैचों में 33 अंक के साथ शीर्ष पर है। मैनचेस्टर यूनाईटेड के भी 16 मैचों में 33 अंक हैं लेकिन गोल अंतर के कारण टीम दूसरे स्थान पर है।

विलियम्सन युवाओं के लिए सही आदर्श : लक्ष्मण

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन की तारीफ की है और कहा है कि विलियम्सन क्रिकेट में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए आदर्श हैं। विलियम्सन ने सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में शानदार शतक जमाया। आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद में विलियम्सन के बल्लेबाजी कोच लक्ष्मण ने ट्वीट किया, विलियम्सन की निरंतरता देखकर हैरान नहीं हूं। शानदार मेहनत और हर मैच से पहले तैयारी के लिए छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देना उनकी सफलता का राज है। युवाओं के लिए अनुकरण करने के लिए सबसे सही आदर्श। विलियम्सन द्वारा सोमवार को लगाया गया शतक उनका लगातार तीसरा शतक है। वह पाकिस्तान के खिलाफ जारी दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 112 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं।

ओलंपिक से पहले कई मानसिक चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए : मनप्रीत

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कोविड-19 की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए कहा कि उनकी टीम को टोक्यो ओलंपिक खेलों से पहले कई बाधाओं का सामना करने के लिए मानसिक तौर पर तैयार रहना चाहिए। टोक्यो ओलंपिक खेलों को महामारी के कारण एक साल के लिये स्थगित कर दिया गया था। इनका आयोजन अब जुलाई-अगस्त 2021 में होगा। मनप्रीत ने कहा, 'पिछले साल की सबसे बड़ी सीख बाहरी चीजों से अपने लक्ष्य को प्रभावित नहीं होने देना थी। कई अनिश्चितताएं हो सकती हैं लेकिन हमें केवल उन चीजों को लेकर चिंता करनी चाहिए जो हमारे नियंत्रण में हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ पाने की दिशा में काम करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'इस साल ओलंपिक खेलों से पहले कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और हमें इनके लिए मानसिक रूप से तैयार होने की जरूरत है।' ओलंपिक में अब जबकि केवल 200 दिन का समय बचा है तब मनप्रीत और महिला टीम की कप्तान रानी रामपाल का मानना है कि खिलाड़ियों को टोक्यो में अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने होंगे। मनप्रीत ने कहा, 'अगले 200 दिन हमारी जिंदगी के महत्वपूर्ण दिन होंगे। अगर हम टोक्यो के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं तो हमें अभ्यास और प्रतियोगिता में अपना शत प्रतिशत देना होगा।' रानी ने सहमति जताई कि खिलाड़ियों को अगले कुछ महीनों में अपने खेल के सभी विभागों में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा, 'चार महीने तक चले पिछले राष्ट्रीय शिविर में हमने वास्तव में अपने पूर्व के स्तर तक पहुंचने के लिये कड़ी मेहनत की थी। अगले कुछ महीनों में हमारा ध्यान खेल के सभी पहलुओं पर सुधार करने पर होगा।'

सिडनी में होटल के बाहर नहीं जा सकेंगे भारतीय क्रिकेटर

मेलबर्न। भारतीय टीम सोमवार को सिडनी के लिए रवाना हुई है, जहां उसे सात जनवरी से आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा टेस्ट मैच खेलना है। टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों को ट्रेनिंग के अलावा होटल के बाहर जाने से मना कर दिया है। बीसीसीआई ने सोमवार को आईएएनएस से इस बात की पुष्टि की और कहा कि खिलाड़ियों से बायो सिक्योरिटी बबल में ही रहने और होटल-ग्राउंड-होटल तक सीमित रहने को कहा गया है। भारत के पांच खिलाड़ियों- रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, शुभमन गिल, पृथ्वी शॉ, नवदीप सैनी का मेलबर्न के एक रेस्टोरेंट के अंदर खाना खाते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था जिसे क्रिकेट आस्ट्रेलिया के बायो सिक्योरिटी बबल का उल्लंघन माना गया था। इसी के बाद यह कदम उठाया गया. टीम प्रबंधन से मिली सलाह का मतलब है कि खिलाड़ी अगले दो सप्ताह तक सख्त क्वारंटीन में रहेंगे। सिडनी के बाद ब्रिस्बेन में भी टीम सख्त क्वारंटीन में रहेगी। सोमवार को बसीसीआई और क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने इस बात की पुष्टि की थी कि दोनों टीमों के खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ, अधिकारियों का कोविड-19 टेस्ट निगेटिव आया है। बीसीसीआई ने सोमवार सुबह एक बयान जारी कर बताया, भारतीय टीम के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का तीन जनवरी 2021 को आरटी-पीसीआर टेस्ट किया गया। सभी टेस्ट निगेटिव आए हैं। सीए के प्रवक्ता ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों का टेस्ट भी निगेटिव आया है। प्रवक्ता ने कहा, सीए के खिलाड़ियों, स्टाफ और मैच अधिकारियों का कल किया गया कोविड-19 टेस्ट निगेटिव आया है। यह बात ध्यान देने वाली है कि यह टेस्ट दोनों टीमों के स्टैंडर्ड प्रोसिजर का हिस्सा थे और इनका भारतीय खिलाड़ियों द्वारा किए गए उल्लंघन की जांच से कोई लेना-देना नहीं है।

श्रीलंका पहुंचने के बाद मोइन अली कोरोना पॉजिटिव

कोलंबो। इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोइन अली श्रीलंका दौरे के लिए हंबनटोटा हवाई अड्डा पहुंचने के बाद कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। 33 वर्षीय मोइन अब 10 दिनों के लिए खुद को सेल्फ आइसोलेशन में रखेंगे और श्रीलंका सरकार की क्वारंटीन प्रोटोकॉल के नियमों का पालन करेंगे। श्रीलंका दौरे पर इंग्लैंड को 14 जनवरी से गॉल में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार , ऐसा माना जा रहा है कि क्रिस वोक्स भी मोइन के संपर्क में आए थे और अब वह भी खुद को सेल्फ आइसोलेशन में रहेंगे। मंगलवार सुबह अब पूरी टीम की फिर से जांच की जाएगी और फिर उसके बाद ही उन्हें ट्रेनिंग करने की इजाजत दी जाएगी। मोइन इंग्लैंड के पहले क्रिकेटर हैं, कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। वह वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया और आयरलैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज का हिस्सा थे। इंग्लैंड की टीम पिछली बार दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गई थी।

गांगुली से मिलने आ रहे प्रशंसकों के लिए बनाया गया विशेष लाउंज

कोलकाता।

यहां स्थित वुडलैंड्स अस्पताल में एक विशेष सौरव गांगुली लाउंज बनाया गया है जिसमें बीसीसीआई अध्यक्ष से मिलने आ रहे प्रशंसकों को चाय, कॉफी, पानी मुहैया कराया जा रहा है और साथ ही गांगुली के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी जा रही है।

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने एक बयान में कहा, अस्पताल में समय लेकर आ रहे मेहमानों को इस लाउंज में बैठाया जा रहा है और उन्हें सौरव गांगुली के बारे में जानकारी दी जा रही है। जैसा आप लोग जानते हैं कि वह आईसीयू में हैं और वहां मेहमानों के जाने पर पाबंदी है। लाउंज में हम चाय, कॉफी, पानी भी मुहैया करा रहे हैं। मेडिकल टीम के एक सदस्य ने बताया, जाने-माने कार्डिक सर्जन डॉ. देवी शेट्टी मंगलवार को गांगुली को देखेंगे। इसलिए कल नहीं बल्कि उम्मीद है कि परसों अस्पताल से उन्हें छुट्टी मिल जाएगी। गांगुली की शनिवार को एंजियोप्लास्टी की गई। उन्हें सीने में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।डॉक्टर ने कहा, गांगुली अब स्थिर हैं। उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। उनके दिल में दो ब्लॉकेज हैं जिनके लिए उनकी एंजियोप्लास्टी की जाएगी। उनकी धमनियों में 90 प्रतिशत ब्लॉकेज है। उन्हें घर में आराम करने को कहा गया है। हम कुछ देर बाद अगला फैसला लेंगे। गांगुली को शनिवार को चक्कर आने और ब्लैकआउट के अलावा सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें यह शिकायत अपने घर में बने जिम में वर्जिश करने के बाद हुई थी। इसके बाद उन्होंने अपने पारिवारिक डॉक्टर को बुलाया जिन्होंने पूर्व बल्लेबाज को अस्पताल में भर्ती करने की सलाह दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़े लोगों ने फोन कर गांगुली के हालचाल पूछे थे। गांगुली ने मोदी से कहा था कि वह अब अच्छा महसूस कर रहे हैं। मोदी ने उनकी पत्नी डोना से भी बात की थी।

अगर बायो-बबल नियम ज्यादा होते हैं तो खिलाड़ी दौरा छोड़ सकते हैं : रूट

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान जोए रूट ने कहा है कि अगर खिलाड़ियों को कोविड-19 प्रोटोकॉल्स के नियम ज्यादा सख्त लगते हैं तो वह टीम से बाहर जा सकते हैं। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की वनडे सीरीज को बायो-सिक्योर के नियमों के उल्लंघन के कारण स्थगित कर दिया गया था। इंग्लैंड को अब श्रीलंका का दौरा करना है। रूट ने संवाददाताओं से कहा, अगर किसी भी पल यह ज्यादा परेशानी वाला लगता है तो खिलाड़ी बाहर जा सकते हैं। एक कप्तान के तौर पर मेरा काम है कि मैं इस बात को आश्वास्त करूं कि लोग सहज रहें। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों को अतिरिक्त साथ की जरूरत होगी, मैं इस बात को आश्वस्त करूंगा कि खिलाड़ियों के पास कोई न कोई बात करने को है। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच 14 जनवरी से पहला टेस्ट मैच शुरू हो रहा है। रूट ने कहा कि टीम में पॉजिटिव मामलों से दौरा तत्काल प्रभाव से खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोविड-19 पॉजिटिव मामले सामने आने से दौरा अपने-आप खत्म होगा। सच्चाई यह है कि पूरे विश्व की टीमों ने पॉजिटिव मामलों का सामना किया है। हम जितने अच्छे से इसे संभाल सकते हैं संभालेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बदला अंदाज पहनावे का

जैसे–जैसे दुनिया आगे बढ़ रही है वैसे ही कपड़े ओढ़ने–पहनने का ढंग भी बदलता जा रहा है। फैशन के दौर में आज नई नई तरह के स्टाइलिश कपड़े पहनकर अपने आप को ज्यादा खूबसूरत बनाना हर महिला और पुलिस की चाहत है। आए दिन होने वाली शादी पार्टियों में महिलाओं में ही नहीं कॉलेज गर्ल में भी अब साड़ी पहनने का प्रचलन देखने को मिल रहा है।

समाज में यह धारणा है कि महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा खदा कलात्मक दृष्टि रखती हैं, यह बात वैज्ञानिक शोधों से सही साबित भी हई है। कई शोधों के मुताबिक महिलायें अपने दिमाग के दाएं हिस्से का प्रयोग अधिक करती हैं, जो कि कलात्मकता के लिए जिम्मेदार होता है, जबकि पुरुष अपने बाएं हिस्से का प्रयोग यादा करते हैं जो तर्कशक्ति के लिए जिम्मेदार होता है। हालांकि आज की महिलाओं ने इस क्षेत्र में भी अपना दखल बढ़ाकर पुरुष के वर्चस्व को चुनौती देते हुए अपनी जीवनशैली में आमूलचूल परिवर्तन ला दिया है। वर्तमान समय के साथ कदमताल करते हुए परम्परा और अधनातुन जीवनशैली का मिश्रण करते हुए कामकाजी महिलाएं स्वयं को चुस्त-दुरस्त बनाये रखने के साथ-साथ अपने आउटफिट पर भी पूरा ध्यान दे रही हैं।

एक तरफ जहां पारम्परिक पहनावा साड़ी को नयी शैली के साथ पहनकर उसमें बदलाव करते हुए उसे और आकर्षक तरीके से धारण करती हैं, वहीं जींस, ट्राउजर, केपरी, शर्ट, शार्ट कुर्ता, ट्यूनिक इत्यादि का भी बहुतायत में उपयोग कर रही हैं। भागमभाग भरे समय में समय में साड़ी की देखभाल, जैसे, ड्रायक्लीन करना, तह बनाना, प्रेस करना इतना आसान नहीं होता, जबकि दूसरी तरफ जींस एवं अन्य अधुनातन परिधानों को दो-तीन बार भी बिना धोये एवं प्रेस किए भी पहना जा सकता है। साड़ी की अपेक्षा इन फार्मल पहनावे में मेकअप एवं श्रृंगार भी कम करना पड़ता है। मात्र लिपिस्टक के साथ हाथ में एक ब्रासलेट अथवा कड़ा डालकर एवं कलाई में घड़ी पहनकर इतिश्री कर दी जाती है। इसके अतिरिक्त यादा ताम-झाम की आवश्यकता नहीं होती।

कामकाजी महिलाओं ने समय की कमी को देखते हुए भारी-भरकम साड़ी की जगह फार्मल पोशाकों को यादा अहमियत देना शुरू कर दिया है। इसके चलते ट्राउजर, ट्यनिक, शार्ट कुरते, टी शर्ट आदि पहनने का का चलन बढ़ा है। अब लेगिग्स के साथ फॉक,अथवा कुरता बगैर दुपट्टा के पहना जा सकता है। चूड़ियों की जगह कंगन, ब्रेसलेट ने ले ली है। लम्बी-लम्बी बालियों के स्थान पर अब छोटी बालियां प्रचलन में आ गईं हैं। वह भारी-भारी नेकलेस एवं बड़े मंगलसूत्र का स्थान पतली चेन के साथ ही हल्के डायमण्ड ने हथिया लिया है, इतना ही नहीं बड़े एवं भारी बिछुए की जगह आकर्षक एवं स्टायलिश हल्के बिछुए मार्केट में प्रचुरता से उपलब्ध हैं। वहीं परिधानों में स्लैक्स पहनने का प्रचलन भी तेजी से बढ़ा है इनके साथ कुरतों की तरह तरह की वैरायटी विभिन्न डिजायन के साथ बाजार में अपनी छटा बिखेर रहे हैं। एक से बढ़कर एक आर्कषक एवं तरह तरह के छोटे-बड़े हैंड बैग परिधानों से मैच करने के लिए उपलब्ध हैं। इसी तरह परिधानों की मैचिंग की बिन्दियां, नेल पेंट, रंग-बिरंगी घड़ियों के साथ ही स्टॉल एवं स्कार्फ भी प्रचलन में हैं।

चैटिंग करें लेकिन संभलकर

आपको चैटिंग का शौक है तो बेशक इसे इंजॉय करें, लेकिन जरा संभलकर। दरअसल, ऐसी तमाम बातें हैं, जिनका आपको चैटिंग करते समय खयाल रखना चाहिए..।

नेट के यूज से आप हमेशा अपने दोस्तों के करीब तो होते ही हैं, नए-नए दोस्त भी खूब बनाते हैं। हालांकि इसमें सबसे अहम भूमिका निभाती है चैटिंग। लेकिन कम्यूनिकेशन का यह सबसे आसान माध्यम इतना आसान भी नहीं है।

दरअसल, आजकल साइबर इम के केसेज जिस तरह से बढ़ रहे हैं, जख्रत है कि आप संभलकर चैटिंग करें।

जानकारी शेयर न करें - आप जब नेट पर उपलब्ध होते हैं, तो तमाम लोग आपको चैट इन्वाइट भी भेजते हैं। आप शुरुआत में मजे के लिए चैटिंग करने लगते हैं और जब आपको किसी से चैट करते हुए 3 से 6 महीने हो जाते हैं, तो आप उससे हर तरह की बातें शेयर करने लगते हैं। आपको लगता है कि आप दोस्त बन गए हैं, तो फिर शेयरिंग में क्या दिक्कत है? लेकिन यह सही नहीं है। आपको बता दें कि आपके द्वारा चैट पर दी गई हर जानकारी पर हैकर्स की निगाह हो सकती है। तमाम ऐसे वाकये हुए हैं, जिनमें क्रेडिट कार्ड व बैंक अकाउंट का मिसयूज किया गया है। ऐसे में आप चैट पर अपने अकाउंट नंबर क्रेडिट कार्ड व डेबिट कार्ड वगैरह की जानकारी किसी को न दें।

अजनबियों को एड न करें - आपको जब कोई अजनबी चैट इन्वाइट भेजे, तो आप उसे अपनी चैट लिस्ट में एड करने से पहले पूरी तहकीकात कर लें। हो सकता है कि वह व्यक्ति हैकर्स हो और आपकी चैट लिस्ट में एड होकर वह आपके जरूरी इंफॉर्मेशन चुरा ले। अगर आप उस पर्सन को अपनी चैट लिस्ट में एड करना चाहते हैं, तो पहले उसका प्रोफाइल देखें। उसके बाद अगर आपको लगता है कि वह ठीक ठाक इंसान हो सकता है, तभी आप उसे एड करें।

सतर्क रहें - आप जब चैट करते हैं, तो बातों-बातों में ऐसी जानकारी भी चैट करने वाले व्यक्ति को दे देते हैं, जो किसी अजनबी को नहीं देना चाहिए। ऐसे में आप किससे चैट कर रहे हैं और क्या बात कर रहे हैं, इससे लेकर सतर्क रहें।

ओवर फ्रेंडली न हों - अकसर हम जब फ्री होते हैं, तो ही चैट करते हैं। ऐसे में नए-नए दोस्त बनते जाते हैं। फिर कहीं बिजी होने के बाद हम चैट करना छोड़ देते हैं। जाहिर है, अजनबियों से चैटिंग हम एक लिमिट में ही करते हैं। यही होना भी चाहिए। अजनबियों से ओवर फ्रेंडली होने का कोई मतलब नहीं है। जिससे आप लंबे अर्से से बात कर रहे हैं, कोई जरूरी नहीं कि उसने एक बार मिलने को कहा और आप मिलने चल पड़े। कोई भी कदम उठाने के पहले यह जरूर सोचें कि उससे आपको नुकसान तो नहीं होगा। जो लोग आपसे पहली बार चैट के दौरान ही मिलने के लिए कहे, ऐसे लोगों को आप अपनी चैट पर ब्लॉक कर दें।

एब्यूजिव ... ना ना - आप जब चैट करते हैं , तो उसमें खूब गॉसिपिंग भी करते हैं। ध्यान रहें, चैट पर कभी भी एब्यूजिव लैंग्वेज का यूज न करें। इस तरह की बातें साइबर क्राइम की श्रेणी में गिनी जा सकती हैं।

चैट पर निगाह - तमाम लोग ऑफिस ऑवर में ही चैट करते हैं। सच्चाई यह है कि तमाम कंपनियां अपने एंप्लॉई की चैटिंग पर निगाह भी रखती हैं , ताकि कोई व्यक्ति ऑफिस की जरूरी और गोपनीय बातें बाहर लीक न करें। जाहिर है, इस बात को हमेशा ध्यान में रखें।

गलतफहमी न पालें - आप जब किसी अजनबी व्यक्ति से चैट करते हैं, तो उसके बारे में यूं ही कुछ विचार न बना लें। अजनबियों के बारे में आप यह नहीं तय कर सकते कि वह कौन है, उसका प्रोफाइल क्या है, स्वभाव कैसा है आदि आदि। अकसर लोग आपस में जब चैट करते हैं, तो यह मान कर चलते हैं कि सामने वाला ओपन माइंडेड, हंसी - मजाक करने वाला और सेंसेटिव होगा, लेकिन ऐसा नहीं भी हो सकता है। आप जिससे चैट कर रहे हैं, उसे फ्रेंड बनाना चाहते हैं लेकिन वह आपको इग्नोर कर रहा है या उसने आपको चैट लिस्ट में ब्लॉक कर दिया है, तो दुखी न हों।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बढ़ते तनाव के बीच, ईरान ने अमेरिका से 20 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन शुरू किया

तेहरा। ईरान ने एक भूमिगत इकाई में 20 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन शुरू कर दिया है। ईरान सरकार के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। ईरानी की सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने सोमवार को अली रबिई के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति हसन रूहानी ने फोर्डो इकाई में इस कदम के लिए आदेश दिये हैं। 20 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन 90 प्रतिशत के हथियार-ग्रेड के स्तर से अलग एक तकनीकी कदम है। एक दशक पहले ईरान के 20 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन के फैसले से उसका इजराइल के साथ तनाव हो गया था।

यह तनाव 2015 में परमाणु समझौते के बाद ही कम हुआ था। 20 प्रतिशत संवर्धन की फिर से शुरुआत के कारण फिर से अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 2018 में तेहरान के साथ परमाणु समझौते से अमेरिका को एकतरफा तौर पर अलग कर लेने के बाद आया है। उसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ाने वाली कई घटनाएं हुई हैं।

अब पाकिस्तानी लड़कियां कर पाएंगी उच्च शिक्षा मुहैया, अमेरिकी संसद में पारित हुआ 'मलाला युसुफजई स्कॉलरशिप एक्ट

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद ने 'मलाला यूसुफजई छात्रवृत्ति विधेयक' पारित किया है, जिसके तहत एक योग्यता एवं जरूरत आधारित कार्यक्रम के तहत पाकिस्तानी महिलाओं को उच्च शिक्षा मुहैया कराने के लिए दी जा रहीं छात्रवृत्तियों की संख्या बढ़ेगी। इस विधेयक को मार्च 2020 में प्रतिनिधि सभा ने पारित किया था, जिसे अमेरिकी सीनेट ने एक जनवरी को ध्वनिमत से पारित किया। यह विधेयक अब व्हाइट हाउस भेजा गया है, जहां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन जाएगा। इस विधेयक के तहत 'यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवल्पमेंट' पाकिस्तानी महिलाओं को 2020 से 2022 तक एक पाकिस्तान संबंधी उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत कम से कम 50 प्रतशित छात्रवृत्तियां मुहैया कराएगी। विधेयक में कहा गया है कि यूएसएआईडी पाकिस्तान में शिक्षा कार्यक्रमों की पहुंच बढ़ाने और इनमें सुधार के लिए अमेरिका में पाकिस्तानी समुदाय और पाकिस्तानी निजी क्षेत्र से विचार-विमर्श करेगा और उनसे निवेश प्राप्त करेगा। इसमें कहा गया है कि यूएसएआईडी संसद को वार्षिक आधार पर जानकारी देगा कि कार्यक्रम के तहत कितनी छात्रवृत्तियां वितरित की गईं। मलाला को भारतीय बाल अधिकार कार्यकर्ता कैलाश सत्यार्थी के साथ 10 अक्टूबर, 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मलाला को अक्टूबर 2012 में पाकिस्तानी तालिबान के आतंकवादियों ने उस समय गोली मार दी थी, जब वह स्कूल से घर जा रही थी। मलाला पाकिस्तानी तालिबान के विरोध के बावजूद 2008 से महिलाओं एवं लड़कियों तक शिक्षा की पहुंच बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही हैं।

गौरवशाली पल! संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में लगाया जाएगा भारत का तिरंगा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में सोमवार को भारतीय झंडा लगाया जाएगा। देश संयुक्त राष्ट्र के इस शक्तिशाली निकाय में दो वर्षों के लिए अस्थायी सदस्य के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू कर रहा है। पांच नये अस्थायी सदस्य देशों के झंडे चार जनवरी को एक विशेष समारोह के दौरान लगाए जाएंगे। 2021 में चार जनवरी आधिकारिक रूप से पहला कार्य दिवस होगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी. एस. तिरूमूर्ति तिरंगा लगाएंगे और उम्मीद है कि समारोह में वह संक्षिप्त संबोधन भी देंगे।

भारत के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में नॉर्वे, केन्या, आयरलैंड और मैक्सिको अस्थायी सदस्य बने हैं। वे अस्थायी सदस्यों इस्टोनिया, नाइजर, सेंट विंसेंट और ग्रेनाडा, ट्यूनिशिया, वियतनाम तथा पांच स्थायी सदस्यों चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ इस परिषद् का हिस्सा होंगे। भारत अगस्त 2021 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् का अध्यक्ष होगा और फिर 2022 में एक महीने के लिए परिषद् की अध्यक्षता करेगा। परिषद् का अध्यक्ष हर सदस्य एक महीने के लिए बनता है, जो देशों के अंग्रेजी वर्णमाला के नाम के अनुसार तय किया जाता है। झंडा लगाने की परंपरा की शुरुआत कजाकिस्तान ने 2018 में शुरू की थी।

अमेरिका के टेक्सास में गिरजाघर में गोलीबारी, एक व्यक्ति की मौत; संदिग्ध को गिरफ्तार

विनोना (अमेरिका)। अमेरिका के पूर्वी टेक्सास में रविवार सुबह एक गिरजाघर में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्मिथ काउंटी पुलिस कार्यालय के अधिकारी लैरी क्रिश्चियन ने बताया कि घटना विनोना के निकट स्टारविले मेथडिस्ट गिरजाघर में हुई।

उन्होंने बताया कि गोलीबारी के बाद फरार हुए संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस को सुबह करीब नौ बजकर 20 मिनट पर गोलीबारी के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि दो लोगों को गोली लगी हुई है। उनमें से एक की मौत हो गई।

अमेरिकी संसद में पेश हुआ पाकिस्तान का गैर नाटो सहयोगी का खास दर्जा खत्म करने का बिल

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी संसद के 117वें सत्र के शुरुआती दिन एक सांसद ने पाकिस्तान का प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी देश का दर्जा खत्म करने के लिए प्रतिनिधि सभा में एक विधेयक पेश किया है। रिपब्लिकन सांसद एंडी बिग्स ने जो विधेयक पेश किया है उसमें पाकिस्तान का प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी देश का दर्जा समाप्त करने की बात की गई है। इस दर्जे के कारण पाकिस्तान को अमेरिका की अधिक रक्षा आपूर्तियों तक पहुंच और सहयोगात्मक रक्षा अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में भागीदारी जैसे विभिन्न लाभ मिलते हैं।

विधेयक में यह भी कहा गया है कि अमेरिका का राष्ट्रपति पाकिस्तान को प्रमुख नाटो सहयोगी का तब तक दर्जा नहीं दे सकता, जब तक राष्ट्रपति कार्यालय यह प्रमाणित नहीं करता कि पाकिस्तान अपने देश में हक्कानी नेटवर्क के पनाहगाह और उनकी गतिविधियों को बाधित करने वाले सैन्य अभियान चला रहा है। विधेयक में राष्ट्रपति से इस बात को प्रमाणित करने की भी बात है कि पाकिस्तान हक्कानी नेटवर्क के आतंकवादियों के खिलाफ अभियोग चलाने और उन्हें गिरफ्तार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

पाकिस्तान को 2004 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल में प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी देश के तौर पर नामित किया गया था। इस समय 17 देश अमेरिका के प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी हैं। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी 2018 में पाकिस्तान को मिलने वाली सभी वित्तीय एवं सुरक्षा सहायता रोक दी थीं और उनके प्रशासन ने पाकिस्तान का प्रमुख गैर नाटो सहयोगी देश का दर्जा समाप्त करने पर विचार भी किया था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका ने भारत को प्रमुख रक्षा साझेदार देश नामित किया था।

अमेरिका में नैन्सी पेलोसी दोबारा चुनी गईं प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष

वाशिंगटन। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की सदस्य नैंसी पेलोसी को अमेरिकी संसद के लिए दोबारा प्रतिनिधि सभा की स्पीकर चुना गया है। नैंसी पेलासी (80) को 216 और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी केविन मैक्कार्थी को 209 वोट मिले। सदन के एक अधिकारी ने बताया कि कुल 427 वोट डाले गए। इनमें से सीनेटर टैमी डकवर्थ और सांसद हकीम जेफरीज को एक-एक वोट मिला। आंकड़ों के अनुसार, छह डेमोक्रेटिक सांसदों ने पेलोसी को वोट नहीं दिया, जबकि सभी 209 रिपब्लिकन के वोट केविन के पक्ष में पड़े, जो अब सदन में अल्पमत के नेता हैं।

अमेरिकी प्रतिनिधिसभा में 435 सदस्यों को मतदान करने को अधिकार है, जबकि छह ऐसे सदस्य हैं, जो वोट नहीं डाल सकते। पेलोसी को हालांकि मामूली अंतर से जीत मिली, लेकिन 2014 की तुलना में उन्हें इस बार दो वोट अधिक मिले। इसके बाद ही पेलोसी ने बतौर स्पीकर यह उनका आखिरी कार्यकाल होने की घोषणा भी कर दी। मानवाधिकार मुद्दों की बड़ी समर्थक पेलोसी ने चुने जाने के बाद कहा कि नई संसद की शुरुआत बड़े चुनौतीपूर्ण समय में हो रही है।

पेलोसी ने कहा, ''वैश्विक महामारी और आर्थिक संकट से हरेक समुदाय बुरी तरह प्रभावित हैं और 3,50,500 लोग मारे गए हैं हमारे दिलों में हर एक के लिए दर्द है, दो करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं, लाखों लोग बेरोजगार हैं....'' पेलोसी ने कहा कि 117वीं संसद अमेरिकी इतिहास की सबसे विविध संसद होगी, क्योंकि महिलाओं को मतदान का अधिकार मिलने के करीब 100 साल बाद यहां रिकॉर्ड 122 महिलाएं चुनकर पहुंची हैं। पुन- चुने जाने के बाद पेलोसी ने सदन के बाकी सदस्यों को शपथ दिलाई।

20 जनवरी को होगा जो बाइडेन का उद्घाटन समारोह, राष्ट्रपति के लिए होगा एस्कॉर्ट और डिजिटल परेड का आयोजन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

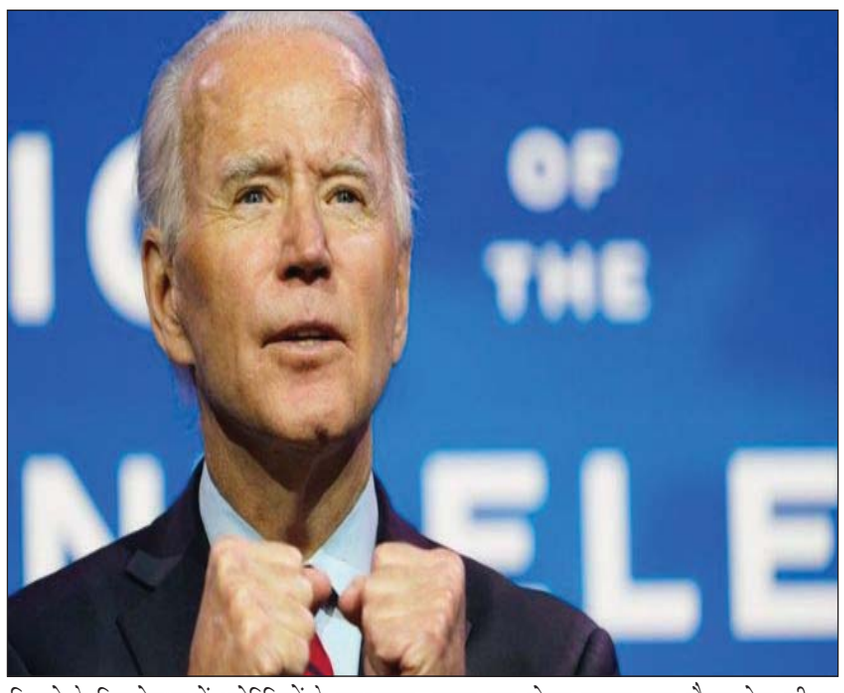

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन 20 जनवरी को 'यूएस कैपिटोल' में एक सादे समारोह में शपथ ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह के बाद व्हाइट हाउस के 'ईस्ट फ्रंट' पर 'पास इन रिव्यू' होगा। व्हाइट हाउस तक राष्ट्रपति के लिए एस्कॉर्ट का आयोजन होगा जबकि पूरे देश में डिजिटल परेड आयोजित किए जाएंगे। यूएस कैपिटोल के 'वेस्ट फ्रंट' पर आधिकारिक शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसके बाद नवनिर्वाचित राष्ट्रपति, प्रथम महिला जिल बाइडन, नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और उनके पति डगलस एम्होफ सेना के सदस्यों के साथ 'ईस्ट फ्रंट' पर 'पास इन रिव्यू' में शामिल होंगे। 'पास इन रिव्यू' एक पुरानी सैन्य परंपरा है जो नए कमांडर इन चीफ को सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को प्रतिबिम्बित करती है।

इस दौरान नवनिर्वाचित राष्ट्रपति सैन्य बलों की तैयारी की समीक्षा करते हैं। उद्घाटन समारोह में कोविड-19 महामारी के मद्देनजर सामाजिक दूरी के नियम का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। उद्घाटन समिति (पीआईसी) के सीईओ टोनी एलेन ने रविवार को कहा, ''यह विविध, समावेशी और एकजुट देश के प्रति नवनिर्वाचित राष्ट्रपति बाइडन और नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति हैरिस की प्रतिबद्धता दिखाने के लिए देशभर में अमेरिकियों के साथ काम करने का उत्साहजनक अवसर है।'' उन्होंने कहा कि इस दौरान कोरोना वायरस संबंधी प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके बाद, वाहनों का काफिला राष्ट्रपति को 'फिफ्टींथ स्ट्रीट' से व्हाइट हाउस तक लेकर जाएगा। इस दौरान सेना की हर शाखा को काफिले में शामिल किया जाएगा। महामारी के मद्देनजर पीआईसी अमेरिका में एक डिजिटल परेड की व्यवस्था करेगी, जिसका अमेरिकियों के लिए टीवी पर प्रसारण किया जाएगा।

सर्वे में हुआ खुलासा, अगले आम चुनाव में अपनी सीट तक गंवा सकते हैं ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में हुए एक सर्वे के अनुसार, आने वाले अगले चुनाव में ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अपनी खुद की सीट हारते दिख रहे हैं। ताजा सर्वे के अनुसार, ब्रिटेन की कंजरवेटिव और लेबर दोनों बड़ी पार्टियां कोई भी अगले आम चुनाव में एक समान बहुमत हासिल नहीं कर पा रही है। हाल ही में संपन्न ब्रेक्सिट वार्ता और जॉनसन द्वारा कोरोना वायरस के खिलाफ नाकाम रहने के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बता दें कि हाल ही में ब्रिटेन मे कोरोना के नए प्रकार के विकसित होने के कारण बोरिस जॉनसन ने दक्षिणी इंग्लैंड के कुछ हिस्सों में क्रिसमस पर परिवारों से मिलने की अनुमति देने की योजना को पलट दिया था जिससे काफी लोग नाराज हुए थे।दिसंबर में चार सप्ताह की अवधि में 22,000 से अधिक लोगों पर सर्वेक्षण किया गया था। यह चुनाव डेटा कंपनी फोकलडाटा द्वारा संचालित और संडे टाइम्स द्वारा प्रकाशित किया गया था।

सर्वे में बताया गया है कि सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी को 80 सीटों का नुकसान हो सकता है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि 284 सीटों के साथ कंजर्वेटिवों को छोड़ दिया जाएगा, जबकि विपक्षी लेबर पार्टी 282 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। स्कॉटिश नेशनल पार्टी, जो यूनाइटेड किंगडम के बाकी हिस्सों से अलग होना चाहती है, स्कॉटलैंड की 59 सीटों में से 57 सीटें जीतने की भविष्यवाणी की गई है, जिसका मतलब है कि पार्टी संभावित रूप से अगली सरकार बनाने में किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है।सर्वेक्षण में पाया गया कि लंदन के पश्चिम में उक्सब्रिज की अपनी सीट खोने का खतरा है।

अमेरिका के 10 पूर्व रक्षा मंत्रियों ने दी चेतावनी, चुनाव विवाद में सेना को नहीं घसीटें डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के 10 पूर्व रक्षा मंत्रियों ने देश के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सचेत किया है कि वह चुनाव में कथित ''धोखाधड़ी'' के अपने दावों को साबित करने के लिए सेना को इसमें नहीं घसीटें। उन्होंने ट्रंप से कहा कि ऐसा करने से देश में ''खतरनाक, गैरकानूनी एवं असंवैधानिक स्थिति'' पैदा हो जाएगी। ये 10 पूर्व रक्षा मंत्री डेमोक्रेट और रिपब्लिक पार्टी दोनों से हैं। पूर्व रक्षा मंत्रियों ने 'वाशिंगटन पोस्ट' में रविवार को प्रकाशित एक लेख में अपने विचार साझा किए हैं और राष्ट्रपति पद छोड़ने को लेकर ट्रंप की अनिच्छा पर सवाल खड़े किए हैं। लेख में उन्होंने कहा, ''अमेरिकी सेना को चुनाव संबंधी विवाद में घसीटने के प्रयास देश को खतरनाक, गैरकानूनी और असंवैधानिक स्थिति में ले जाएंगे।''

उन्होंने कहा कि तीन नवंबर के चुनाव और कुछ राज्यों में पुनः मतगणना तथा अदालत में असफल चुनौती के बाद नतीजे स्पष्ट हैं। लेख में पूर्व रक्षा मंत्रियों ने ट्रंप को अपने चुनावी दावों के लिए सेना के गलत इस्तेमाल को लेकर चेतावनी दी है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ जनरल मार्क मिली समेत कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि अमेरिकी चुनाव के नतीजों में सेना की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि सेना की निष्ठा किसी पार्टी के एक नेता के प्रति नहीं, बल्कि संविधान के प्रति है। इस लेख पर डिक चेनी, विलियम पेरी, डोनाल्ड रम्सफेल्ड, विलियम कोहेन, रॉबर्ट गेट्स, लियोन पैनेटा, चक हैगेल, ऐश कार्टर, जेम्स मैटिस और मार्क एस्पर ने हस्ताक्षर किए हैं।

मैटिस ट्रंप के पहले रक्षा मंत्री थे। उनके 2018 में इस्तीफे के बाद एस्पर को रक्षा मंत्री बनाया गया था, लेकिन तीन नवंबर के चुनाव के कुछ दिन बाद ही उन्हें पद से हटा दिया गया था।

नाईजीरियाई वैज्ञानिक की चेतावनी- कोरोना वायरस संक्रमण के और नए स्वरूप आएंगे सामने

लागोस। (एजेंसी)।

ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में सामने आए कोरोना वायरस संक्रमण के नए स्वरूप को लेकर दुनियाभर में बढ़ी चिंताओं के बीच नाइजीरिया के एक वैज्ञानिक ने कहा है कि कोविड-19 के अभी और कई नए स्वरूप सामने आएंगे। नाइजीरिया के वैज्ञानिक ओमिलाबू ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के मद्देनजर देश में कोविड-19 के अलग प्रकार (वेरिएंट) के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए इसके नमूनों का आनुवांशिक विश्लेषण किया है, ताकि देश में इस संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद मिल सके।

ओमिलाबू ने कहा, ''ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में वायरस के जो स्वरूप पाए गए हैं, वे नाइजीरिया में पाए गए स्वरूप से अलग हैं।'' उन्होंने कहा कि वायरस का अलग स्वरूप में बदलना कोई असाधारण बात नहीं है। ओमिलाबू ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमें अपना दिमाग शांत रखना होगा क्योंकि संक्रमण के और नए स्वरूप सामने आने वाले हैं।'' विषाणु वैज्ञानिक ओमिलाबू ने रविवार को कहा कि देश में फैल रहे कोविड-19 संक्रमण के स्वरूप के बारे में जानकारी एकत्र करने से नाइजीरिया में इस बीमारी को फैलने से रोकने में मदद मिल सकती है। नाइजीरिया अफ्रीका का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, जहां 19 करोड़ 60 लाख लोग रहते हैं। 'अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं प्रबंधन केंद्र' के रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, नाइजीरिया में संक्रमण के 89,163 मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें से 1,302 लोगों की मौत हो चुकी है। 'लागोस यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिसिन एंड टीचिंग हॉस्पिटल' में 'सेंटर फॉर ह्यूमन एंड जूनोटिक वायरोलॉजी' के निदेशक ओमिलाबू ने कहा कि नाइजीरिया में संक्रमण के नए मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी यह निश्चित नहीं है कि ये लोग संक्रमण के नए स्वरूप से संक्रमित हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि अभी यह पता लगाने के लिए शोध करने की आवश्यकता है कि क्या संक्रमण के पहले से भी अधिक तेजी से फैलने का कारण देश में मिला इसका नया स्वरूप है या नहीं।

ब्रिटेन में किडनी के मरीज को दिया गया ऑक्सफोर्ड और एस्ट्राजेनेका का वैक्सीन

पेशावर। (एजेंसी)।

लंदन। ब्रिटेन में सोमवार से ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित कोविड-19 टीके का टीकाकरण शुरू हुआ और दुनिया में पहला टीका ऑक्सफोर्ड में जन्मे 82 वर्षीय ब्रायन पिंकर को दिया गया जिनकी किडनी के रोग केचलते डायलिसिस की जा रही है। ब्रायन पिंकर को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में यह टीका लगाया गया। इसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के चरणबद्ध टीकाकरण कार्यक्रम में एक मील का पत्थर बताया जा रहा है। ऑक्सफोर्ड द्वारा विकसित टीका कोरोना वायरस से बचाव के लिए ऐसा दूसरा टीका है जिसे मंजूरी मिली है।

इससे पहले फाइजर-बायोएनटेक के टीके को मंजूरी दी गई थी। ऑक्सफोर्ड में जन्मे पिंकर कई वर्षों से किडनी की बीमारी से ग्रस्त हैं तथा उनकी डायलिसिस की जाती है। उन्होंने कहा कि वायरस से सुरक्षा मिलने पर उन्हें प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है और अब वह बिना चिंता के अपना उपचार जारी रख सकते हैं। उन्होंने कहा, ''आज कोविड-19 का टीका लगवाकर मुझे प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है और बहुत गर्व का अहसास हो रहा है क्योंकि यह टीका ऑक्सफोर्ड में ही बनाया गया है।'' पिंकर के अलावा 88 वर्षीय संगीत शिक्षक ट्रेवोर कॉलेट और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में बालरोग विशेषज्ञ एंड्रयू पोलार्ड को भी टीका लगाया गया।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा, ''ऑक्सफोर्ड द्वारा टीका विकसित करना ब्रिटेन के विज्ञान की जीत है और मैं इसके विकास एवं उत्पादन में शामिल सभी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं जानता हूं कि आने वाले हफ्तों और महीनों में हमारे सामने चुनौतियां बनी हुई हैं लेकिन मुझे भरोसा है कि इस वर्ष हम कोरोना वायरस को हरा देंगे और फिर उठ खड़े होंगे।'' ऑक्सफोर्ड वैक्सीन ग्रुप में निदेशक और ऑक्सफोर्ड वैक्सीन ट्रायल के प्रमुख अन्वेषक प्रोफेसर पोलार्ड ने कहा, ''मेरे लिए वह अभूतपूर्व गर्व का पल था, जब मुझे वह टीका लगा जिसे बनाने के लिए ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और एस्ट्राजेनेका की टीम ने इतनी मेहनत की ताकि इसे ब्रिटेन और दुनिया को उपलब्ध करवाया जा सके।'' एनएचएस का कहना है कि अब तक यूरोप में सबसे अधिक लोगों का टीकाकरण उसके द्वारा किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहचान करो और ईनाम लो 501/-
नियम और शर्ते लागु

अधिकारी के महेरबानी से बनी, यह अवैध बिल्डिंग की यह हालत

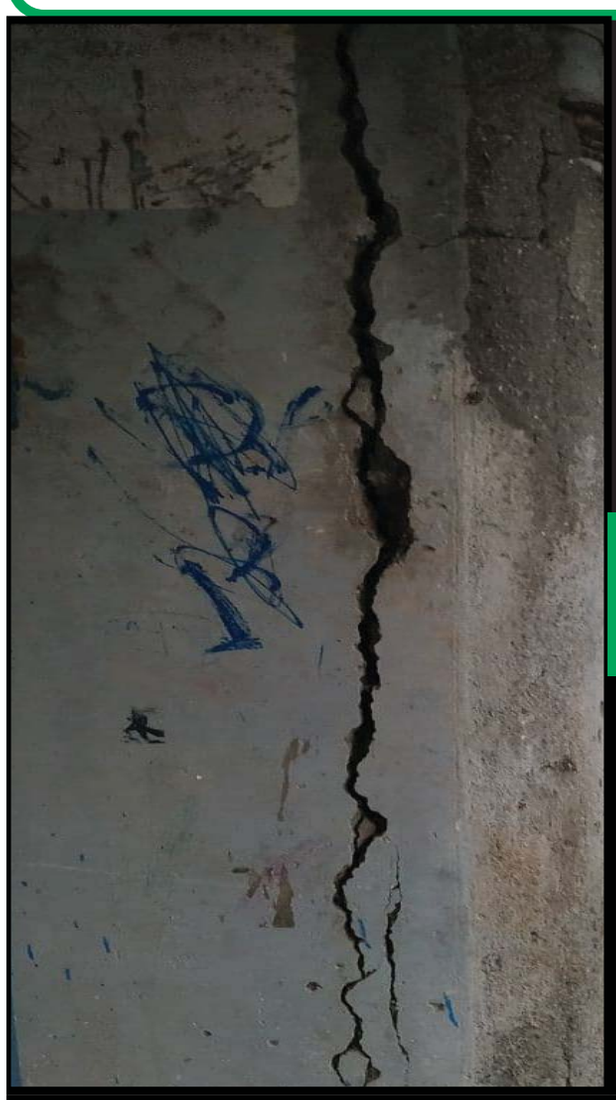

यह सरकार नही बिल्डर ने बनाया यह बिल्डिंग

नही ही B.U.C. नही ही N.O.C.

सीधा परमीशन, बिना पेपर के परमीशन

बिल्डर्स पर महेरबान अधिकारी

अलग-अलग स्थल पर भष्टाचार का नमूना

अपना जवाब इस नबर पर WhatsApp करें -9118221822

सरकारी अधिकारी भी भाग ले सकते है ईमान की रकम दो गुना होगा

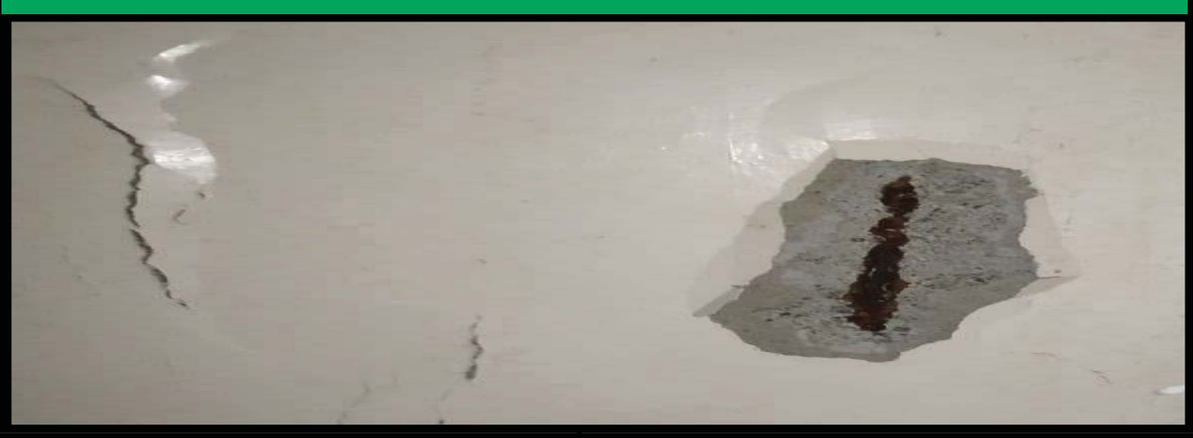

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले, टीके की मंजूरी पर सवाल उठाने वाले लोग हैं मंदबुद्धि

सूरत। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारत में निर्मित कोरोना वायरस के टीके को मंजूरी देने पर सवाल उठाने वाले लोगों को सोमवार को 'मंदबुद्धि' बताया। प्रधान का बयान ऐसे वक्त आया है, जब कांग्रेस के कुछ नेताओं ने तीसरे चरण का परीक्षण जारी रहने के बावजूद भारत बायोटेक के टीके को सीमित आपात इस्तेमाल को लेकर मंजूरी देने पर आशंकाएं जाहिर की है। प्रधान ने कहा, ''जो मंदबुद्धि हैं और जिन्हें वैज्ञानिकों और भारत की शक्ति पर भरोसा नहीं है, वही ऐसे बेतुके बयान दे रहे हैं।'' प्रधान ने कहा, ''ये टीके भारतीय कंपनियों और हमारे वैज्ञानिकों की खास उपलब्धियां हैं। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल का स्वागत किया है। कुछ मंदबुद्धि लोग कभी ठीक नहीं होंगे, खासकर कांग्रेस का नेतृत्व, जिन्हें हर चीज में गड़बड़ी दिखती है।'' सूरत नगर निगम के प्रवासी प्रकोष्ठ का उद्घाटन करने के लिए यहां आए प्रधान ने केंद्र के नए कृषि कानूनों का भी बचाव किया और कहा कि इनकी बदौलत कृषि क्षेत्र में निवेश आएगा और किसान बाजार मूल्यों पर अपनी उपज बेच सकेंगे।

प्रदेश में कोरोना टीकाकरण भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप होगा: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रदेश में कोरोना टीकाकरण का कार्य भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप संचालित किया जाएगा। सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल पांच जनवरी को पूरे प्रदेश में कोरोना टीकाकरण का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। उन्होंने पूरी प्रतिबद्धता से पूर्वाभ्यास का निर्देश देते हुए कहा कि इससे टीकाकरण को सुगमतापूर्वक संचालित करने में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद स्तर इस सम्बन्ध में किए जा रहे कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने टीके के सुरक्षित स्टोरेज, प्रभावी कोल्ड चेन व्यवस्था तथा सुगम परिवहन के लिए सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश में प्रतिदिन 1.5 लाख नमूनों की जांच हो। उन्होंने कोविड-19 के उपचार एवं बचाव की प्रभावी व्यवस्था को बनाये रखने के निर्देश दिए हैं।

पीएम-किसान पोर्टल पर पंजीकृत किसानों का ब्योरा केंद्र से मांगा है, राज्य इसकी जांच करेगा- ममता

कोलकाता। प्रधानमंत्री किसान योजना को पश्चिम बंगाल में लागू करने को लेकर राज्य सरकार के तैयार होने का संकेत देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने केंद्र से उन किसानों का ब्योरा मांगा है, जिन्होंने इस कार्यक्रम के लिए केंद्र सरकार के पोर्टल पर अपना पंजीकरण किया है। प्रेसवार्ता के दौरान बनर्जी ने कहा कि विवादास्पद तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने के वास्ते वह जल्द ही विधानसभा का सत्र आहूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगी। इन कानूनों के खिलाफ किसान धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने कई बार केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत आवंटित राशि राज्य सरकार को स्थानांतरित की जाए। हाल ही में उन्होंने (केंद्र सरकार के अधिकारियों) दावा किया था कि योजना का लाभ लेने के लिए बंगाल के करीब 21.7 लाख किसानों ने पोर्टल पर अपना पंजीकरण किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने (केंद्र) इस डेटा के सत्यापन की मांग की है। मुझे लगता है कि केंद्र इस मामले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रहा था। हालांकि, हमें महसूस हुआ कि इसके चलते किसानों को परेशानी नहीं उठानी चाहिए... मैंने केंद्र से किसानों का विवरण साझा करने को कहा है ताकि हम सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर सकें।

महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख पाटिल का बयान, औरंगाबाद का नाम बदलने का फैसला सबको स्वीकार्य है

पुणे। महाराष्ट्र के भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने सोमवार को कहा कि औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर किए जाने का फैसला सबको स्वीकार्य है और अगर उनकी पार्टी यहां नगर निगम में सत्ता में आती है तो वह इस संबंधमें एक प्रस्ताव पारित करेगी। पाटिल ने शिवसेना के रुख की भी निंदा की जो कई वर्षों से नाम परिवर्तन की समर्थक रही है, लेकिन अब वह इसका लगातार विरोध कर रही कांग्रेस के साथ सत्ता में है। पाटिल ने पत्रकारों से कहा, ''संभाजीनगर नाम सभी को स्वीकार्य है। फिर हम नाम क्यों नहीं बदलते हैं? मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि औरंगाबाद (नगर निगम) में सत्ता में आने पर हमलोग नाम परिवर्तन के पक्ष में एक प्रस्ताव पारित करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने इसका विरोध किया है। लेकिन शिवसेना को अपनी सरकार चलाने के लिए कांग्रेस के सहयोग की जरूरत है। शिवसेना को निश्चित रूप से यह फैसला करना होगा कि क्या वह इस मुद्दे पर सरकार में बनी रहेगी।'' शिवसेना ने करीब दो दशक पहले औरंगाबाद का नाम बदलकर इसे संभाजीनगर करने की मांग की थी और इस संबंध में जून 1995 में औरंगाबाद नगर निगम में एक प्रस्ताव पारित किया गया था जिसे बाद में कांग्रेस के एक पार्षद ने उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी।

सरकार और किसानों संगठनों के बीच गतिरोध बरकरार, अगली बैठक 8 जनवरी को होगी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

नए कृषि कानूनों के खिलाफ एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे गतिरोध को दूर करने के लिए किसान संगठनों और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच सोमवार को हुई सातवें दौर की वार्ता बेनतीजा रही। बैठक में किसान संगठनों के प्रतिनिधि प्रारंभ से ही इन कानूनों को निरस्त करने की अपनी मांग पर अड़े रहे, वहीं सरकार ने कानूनों के फायदे गिनाये। किसान संगठनों के नेताओं ने कहा कि अगली बैठक 8 जनवरी को होगी। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया, ''आज की बैठक में कोई निर्णय नहीं हो पाया, सरकार और किसान संगठनों के बीच आठ जून को फिर से वार्ता होगी।'' उन्होंने बताया कि बातचीत बेनतीजा रही क्योंकि यूनियन के नेता तीनों कानूनों को निरस्त करने की अपनी मांग पर अड़े रहे। दोनों पक्षों ने करीब एक घंटे की बातचीत के बाद लम्बा भोजनावकाश लिया। किसान संगठनों के प्रतिनिधि अपना भोजन लेकर आये थे। 'लंगर' से आए इस भोजन को उन्होंने खाया। हालांकि 30 दिसंबर की तरह आज केंद्रीय नेता लंगर में शामिल नहीं हुए और भोजनावकाश के दौरान अलग से चर्चा करते रहे जो करीब दो घंटे तक चली।

दोनों पक्षों ने दोबारा सवा पांच बजे फिर से चर्चा शुरू की, लेकिन किसानों के कानूनों को निरस्त करने की मांग पर अड़े होने के कारण इसमें कोई प्रगति नहीं हो सकी। किसान संगठनों के नेताओं ने कहा कि सरकार को आंतरिक रूप से और विचार विमर्श करने की जरूरत है और इसके बाद वे (सरकार) किसान संघों के पास आयेंगे। किसान नेताओं ने कहा कि वे आगे के कदम के बारे में चर्चा के लिये मंगलवार को अपनी बैठक करेंगे। बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच अनाज खरीद से जुड़ी न्यूनतम समर्थन मूल्य की प्रणाली को कानूनी गारंटी देने की किसानों की महत्वपूर्ण मांग के बारे में चर्चा नहीं हुई। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में किसान कृषि संबंधी तीन कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर पिछले एक महीने से अधिक समय से दिल्ली की सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आसपास प्रदर्शन स्थल पर भारी बारिश और जलजमाव एवं जबर्दस्त ठंड के बावजूद किसान डटे हुए हैं। गौरतलब है कि ये कानून सितबर 2020 में लागू हुए और सरकार ने इसे महत्वपूर्ण कृषि सुधार के रूप में पेश किया और किसानों की आमदनी बढ़ाने वाला बताया। बैठक के दौरान सरकार ने तीनों कृषि कानूनों के फायदे गिनाये जबकि किसान संगठन इन कानूनों को वापस लेने पर जोर देते रहे ताकि नये कानून के बारे में उन आशंकाओं को दूर किया जा सके कि इससे एमएसपी और मंडी प्रणाली कमजोर होगी और वे (किसान) बड़े कारपोरेट घरानों की दया पर होंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, रेलवे, वाणिज्य और खाद्य मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य राज्य मंत्री एवं पंजाब से सांसद सोम प्रकाश ने विज्ञान भवन में 40 किसान यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। सूत्रों ने बताया कि मौजूदा प्रदर्शन के दौरान जान गंवाने वाले किसानों को श्रद्धांजलि देने के साथ इस बैठक की शुरुआत हुई। इससे पहले, सरकार और किसान संगठनों के बीच छठे दौर की वार्ता 30 दिसंबर को हुई थी। उस दौरान पराली जलाने को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने और बिजली पर रियायत जारी रखने की दो मांगों पर सहमति बनी थी। हालांकि, तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने और फसल की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था को लेकर कानूनी गारंटी पर अब तक कोई सहमति नहीं बन पायी है। सूत्रों ने बताया कि तोमर ने रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और मौजूदा संकट के जल्द समाधान के लिए सरकार की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि तोमर ने सिंह के साथ संकट का समाधान निकालने के लिए 'बीच का कोई रास्ता' निकालने को लेकर सभी मुमकिन विकल्पों पर चर्चा की। कई विपक्षी दलों और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने भी किसानों का समर्थन किया है, वहीं कुछ किसान संगठनों ने पिछले कुछ हफ्तों में कृषि मंत्री से मुलाकात कर तीनों कानूनों को अपना समर्थन दिया।

वैक्सीन वाले बयान पर अखिलेश यादव की सफाई, कहा- टीका विकसित करने का अपमान नहीं किया

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोरोना वैक्सीन को लेकर अपने हालिया बयान पर सफाई देते हुए सोमवार को कहा कि उन्होंने टीका बनाने वाले किसी भी वैज्ञानिक का अपमान नहीं किया है। अखिलेश ने सरकार से पूछा कि वह यह बताए कि प्रदेश के गरीबों को कब तक टीका लगेगा और यह मुफ्त में लगाया जाएगा या नहीं। सपा अध्यक्ष ने यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुद टीका नहीं लगवाने के अपने हाल के बयान पर उठे विवाद के सिलसिले में पूछे गए एक सवाल पर कहा, ''मैंने किसी भी वैज्ञानिक या टीका बनाने में मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति पर सवाल नहीं खड़ा किया है। हमने सिर्फ भाजपा पर सवाल खड़ा किया है, क्योंकि इस पार्टी ने जैसे फैसले लिए हैं, उन पर जनता को भरोसा नहीं है।''

अखिलेश ने कहा, ''हरियाणा के एक मंत्री जी ने वैक्सीन लगवाई थी, बताइए उनके साथ बाद में क्या हुआ। सरकारी अस्पताल उनका इलाज नहीं कर पाया तो निजी अस्पताल जाकर उनकी जान बची।'' वह हरियाणा के स्वास्थ्य एवं गृह मंत्री अनिल विज का संदर्भ दे रहे थे जिन्होंने क्लिनिकल ट्रायल के दौरान टीका लगवाया था लेकिन बाद में उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। उन्होंने कहा, ''सरकार की जिम्मेदारी है कि अगर कहीं किसी चीज की चर्चा हो रही है, अलग-अलग मंचों पर इस पर बहस हो रही है, तमाम लोगों ने अपनी राय दी है, राजनीतिक पार्टियों ने अपनी राय दी है तो वह सामने आए सबकी शंका दूर करे।''

गौरतलब है कि अखिलेश ने गत शनिवार को एक बयान में कहा था कि वह भाजपा की कोरोना वैक्सीन नहीं लगाएंगे क्योंकि उन्हें भाजपा पर भरोसा नहीं है। सपा अध्यक्ष के इस बयान की खासी आलोचना हुई थी। भाजपा ने इसे वैक्सीन बनाने वाले वैज्ञानिकों का अपमान करार दिया था। यादव ने कहा, ''हम तो सरकार से यह जानना चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश के गरीबों को कब टीका लगेगा, लिःशुल्क लगेगा या नहीं।'' उन्होंने पूछा, ''सरकार के पास टीकाकरण के लिए क्या कार्ययोजना है। सरकार योजना बताए। सबसे पहले तो प्रेस के लोगों को टीका लगना चाहिए। मैं यह बात पूरी गंभीरता से कह रहा हूं कि आप लोगों ने कोविड-19 के समय जोखिम उठाकर कवरेज की है और आप में से कुछ लोगों की जान भी चली गई।''

सपा अध्यक्ष ने गाजियाबाद के मुरादनगर में श्मशान घाट परिसर की छत गिरने से हुई लोगों की मौत के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया और हादसे में मारे गए लोगों के परिजन को 50-50 लाख रुपए की सहायता देने की मांग की। रोजगार के मुद्दे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को घेरते हुए अखिलेश ने कहा, ''अभी हाल ही में टीवी पर साक्षात्कार में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने डेढ़ करोड़ रोजगार दे दिए हैं। अगर वाकई ऐसा हुआ होता तो उत्तर प्रदेश का एक भी नौजवान आत्महत्या नहीं करता।'' विरोधियों को राम भक्तों की ताकत का एहसास हो जाने संबंधी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रविवार के बयान पर अखिलेश ने कहा, ''हमारे मुख्यमंत्री कंफ्यूज हैं और हम कंफ्यूज हैं कि वह योगी हैं।'' अखिलेश ने भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई किसान सम्मान निधि योजना को अपनी सरकार द्वारा शुरू की गई समाजवादी पेंशन योजनाकी नकल करार देते हुए कहा, ''उप्र में दो करोड़ से ऊपर किसानों को हर साल 2000 रुपये किसान सम्मान निधि मिलनी है। हम 500 रुपये महीना देते थे जो कुल 6000 रुपये होते थे। यह उसी की नकल करके भाजपा ने योजना शुरू की है।

हार्वर्ड के प्रोफेसर का खुलासा, एलियंस वायुमंडल में फेंक रहे हैं कचरा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अंतरिक्ष आज भी एक रहस्य बना हुआ है। अंतरिक्ष में कई चीजें हैं जिन्होंने रहस्य बरकरार रखा है। हम अक्सर ये सुना करते हैं कि धरती पर खतरा मंडरा रहा है। अंतरिक्ष से एक बड़ा सा पत्थर उल्का पिंड धरती की ओर आ रहा है। अब हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर का ये दावा है कि ये पत्थर एस्ट्रायड या उल्का पिंड एलियंस की ओर से धरती की ओर से फेंका जा रहा कचरा है। क्या वाकई स्पेस गार्बेज नाम की कोई चीज होती है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में एस्ट्रोनॉमी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर एवी लोएब का कहना है कि अंतरिक्ष से धरती की तरफ आने वाले चमकते हुए पत्थर ये प्रमाणित करते हैं कि धरती के अलावा भी जीवन है। उनका कहना है कि ये पत्थर एलियंस या अंतरिक्ष में मौजूद दूसरी सभ्यता का फेंका गया कचरा है। अब ये कचरा पूरे अंतरिक्ष में फैला है।

प्रोफेसर एवी लोएब ने अपनी किताब में लिखा है कि साल 2017 में अंतरिक्ष में कचरा गिराया गया था। उस चीज ने हाल ही में सौरमंडल में उड़ान भरी और एक चमकदार चट्टान जैसा बन गया। अपनी किताब एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल द फर्स्ट साइन आफ इंटेलिजेंट लाइफ बेयॉन्ड अर्थ में प्रोफेसर ने कहा कि 6 सितंबर 2017 को एक पिंड पृथ्वी के वायुमंडल में आया था और 9 सितंबर 2017 को सूर्य के पास चला गया था।

मनीष सिसोदिया का आरोप, उत्तराखंड सरकार के पास गिनाने के लिए काम नहीं

देहरादून। (एजेंसी)।

उत्तराखंड के शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक के सोमवार को चर्चा की चुनौती स्वीकार नहीं करने के बाद दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रदेश सरकार पर हमला करते हुए कहा कि उनके पास गिनाने के लिए कोई काम ही नहीं है। सिसोदिया ने कौशिक को अरविंद केजरीवाल बनाम त्रिवेंद्र सिंह रावत विकास मॉडल पर सोमवार को देहरादून में खुली चर्चा की चुनौती दी थी। यहां एक सभागार में सिसोदिया बहस के लिए जब बैठे तो उनके पास कौशिक के लिए रखी कुर्सी खाली रही जिसके बाद सिसोदिया ने त्रिवेंद्र सिंह रावत सरकार पर आरोपों की बौछार करते हुए कहा कि कौशिक के न आने से साफ हो गया है कि राज्य सरकार ने अपने चार वर्ष के कार्यकाल में विकास के मुद्दे पर कुछ नहीं किया।

सिसोदिया ने कहा, ''एक खूबसूरत पहल होती अगर मदन कौशिक आ जाते। त्रिवेंद्र सिंह रावत की भाजपा सरकार ने प्रदेश में कोई काम नहीं किया इसलिए वह (काम) गिनाने के लिए आ नहीं पाए। इससे यह साफ हो गया है कि उनकी सरकार ने कोई काम किया ही नहीं।'' उन्होंने कहा, ''उनका न आना दिखाता है कि उनके द्वारा किए गए विकास के दावे केवल सरकारी फाइलों तक ही सीमित हैं और जमीन पर कुछ नहीं है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि उनके करीब चार साल के कार्यकाल में केवल भ्रष्टाचार ही हुआ है। आप नेता ने इस संबंध में लोहाघाट से विधायक पूरनसिंह फर्त्याल का जिक्र किया जिन्होंने अपनी ही सरकार पर एक ठेकेदार के लिए अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य रोके जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रावत के एक विशेष कार्याधिकारी पर भी धन शोधन के आरोप लगे हैं। सिसोदिया ने एक बार फिर से चुनौती देते हुए कहा कि इस बार वह छह जनवरी को दिल्ली में कौशिक का खुली चर्चा के लिए इंतजार करेंगे।

उनके हमले के बाद सत्ताधारी भाजपा के मुख्य प्रवक्ता मुन्ना सिंह चौहान ने कहा कि आम आदमी पार्टी का उत्तराखंड में न कोई वजूद है और न ही उनके नेता इस लायक हैं कि उनकी किसी बात का जवाब दिया जा सके। चौहान ने कहा, ''यदि आम आदमी पार्टी के नेता यहां आकर पहाड़ की चोटियों को देख भी लें तो आप की टोपी जमीन पर ही गिर जाएगी। इसलिए आप के नेता उत्तराखंड में भाजपा को चुनौती देने का ख्वाब न देखें तो ही अच्छा है।'' उन्होंने कहा कि आप नेता केवल सैर सपाटे के लिए उत्तराखंड आए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार के मंत्रियों और भाजपा नेताओं के पास ऐसे सैर-सपाटा कर अपनी राजनीतिक जमीन तलाशने वाले नेताओं के लिए समय नहीं है और न ही वे उनकी किसी बात को गंभीरता से लेते हैं। वर्ष 2022 में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर प्रदेश में आप की गतिविधियां बढ गयी हैं और सिसोदिया पिछले एक पखवाड़े में दो बार यहां आ चुके हैं। अपने पिछले दौरे में सिसोदिया ने कहा था कि आप प्रदेश की 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

राजस्थान में पक्षियों की मौत से मचा हड़कंप, कौवों के साथ बगुलों की भी मौत

कोलकाता। (एजेंसी)।

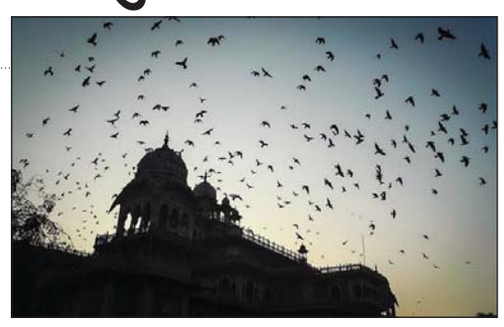

कोरोना महामारी से लगातार जूझ रहे राजस्थान में कौवों और अन्य पक्षियों की मौत ने हड़कंप मचा दिया है। जयपुर समेत कई जिलों से पक्षियों के मरने की बात सामने आई है। झालावार में कौवों की मौत के बाद जयपुर में भी बर्ड फ्लू ने दस्तक दे दी है। शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल जयपुर आमेर रोड पर स्थित जल महल पर आठ कौवे मृत पाए गए थे। एनजीओ कर्मी और पशुपालन कर्माचारियों ने पीपीई किट पहनकर मृत कौवों को अपने कब्जे में लिया। जिसके बाद राजस्थान के दौसा में भी पक्षियों के मृत पाए जाने की खबर सामने आई। दौसा में कुछ पक्षियों के मृत पाए जाने की खबर वन विभाग और पशुपालन विभाग को मिली। मौके पर पहुंची टीम को वहां एक कौवा और 5 बगुलों का शव मिला। जिसके बाद इनके सैंपल को जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पक्षियों की मौत की वजह का पता चल सकेगा।

लगातार जारी है पक्षियों की मौत

25 दिसम्बर को झालावाड़ में कौवे की मौत की सूचना मिली थी और नमूनों को जांच के लिये भोपाल के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान भेजा गया था जिसके परिणामों ने बर्ड फ्लू की पुष्टि की थी। अब तक झालावाड़ में 100, बांरा में 72, कोटा में 47, पाली में 19, जोधपुर में 7 और जयपुर में 7 कौवों के मरने की सूचना है।

पश्चिम बंगाल : तृणमूल कांग्रेस को उसकी ही खेल में मात देने की तैयारी में है भाजपा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा अपने मिशन बंगाल को कामयाब बनाने के लिए हर तरह की कोशिश कर रही है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के बीच तल्खियां लगातार बढ़ती जा रही है। एक ओर जहां ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल चुनाव को बाहरी बनाम बंगाली अस्मिता की ओर ले जाने की कोशिश कर रही हैं तो वही भाजपा ममता बनर्जी पर बंगाल और उसकी धरोहर को बंधक बनाने का लगातार आरोप लगा रही है। अगर कहे तो बंगाल की जंग को जीतने के लिए तृणमूल कांग्रेस और भाजपा अलग अलग तरह की रणनीति बनाने में जुटे हुए है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर अमित शाह और उनकी टीम बंगाल में ममता बनर्जी को पटखनी देने के लिए किस रणनीति के तहत आगे बढ़ रही है। सबसे पहले तो आपको यह बता दें कि भाजपा कहीं ना कहीं राजनीतिक समीकरणों को साधने के साथ-साथ बंगाल के गौरव, रोजगार और कानून व्यवस्था के साथ-साथ उद्योग की बात को लोगों के बीच पहुंचाकर चुनाव जीतने की रणनीति पर फिलहाल काम कर रही है।

भाजपा इसके लिए विशेषज्ञों की एक टीम बंगाल भेज चुकी है। इस टीम में डॉक्टर, इंजीनियर और प्रोफेसर के साथ-साथ वकील तक भी शामिल है। यह टीम बंगाल में अपने अपने प्रोफेशन से जुड़े लोगों से बातचीत करेगी और उनकी फीडबैक जानेगी। उसके बाद यह टीम अपनी रिपोर्ट भाजपा को सौपेंगी। इस टीम की फीडबैक जानने के बाद ही पार्टी की ओर से घोषणा पत्र तैयार किया जाएगा। घोषणा पत्र समिति में कानून व्यवस्था के साथ-साथ सुशासन, रोजगार, उद्योग जैसे मामलों पर फोकस करेगा। भाजपा का सबसे बड़ा आरोप भी यही है कि ममता सरकार बंगाल में रोजगार मुहैया कराने में असफल रही है। माना जा रहा है कि भाजपा अपने घोषणा पत्र में बंगाल के युवाओं को नौकरी देने के लिए कई बातों को शामिल कर सकती है। इसके अलावा राज्य में निजी उद्योग कैसे बढ़ाया जा सके इस योजना पर काम किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा लगातार ममता बनर्जी सरकार पर हमलावर है। भाजपा की यह टीम पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था पर एक रिपोर्ट तैयार करेगी जो पार्टी को सौपेंगी। यह टीम आम लोगों से मुलाकात कर रही है और उनकी राय जानने की कोशिश कर रही है। खास बात यह है कि यह टीम अपनी पार्टी का झंडा भी थामे हुए हैं। इसका मकसद यह है कि लोगों को यह पता चले कि भाजपा उनको लेकर कितनी सोच रही है। इन मुद्दों के साथ-साथ पार्टी हिंदुत्व के मुद्दे को भी पश्चिम बंगाल में अपनी रणनीति का हिस्सा बना सकती है। इसके अलावा सीएए और एनआरसी का भी मुद्दा उठाया जा सकता है।

लेकिन सबसे खास बात तो यह है कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस को उसकी ही खेल में मात देने की तैयारी में है। दरअसल, भाजपा तृणमूल कांग्रेस के बंगाली स्मिता के जवाब में यहां के महापुरुषों को साधने की कोशिश कर रही है। भाजपा बंगाल की संस्कृति और सभ्यता को भारतीय संस्कृति से जोड़ रही है। इन सबके अलावा भाजपा चाहे रविंद्र नाथ टैगोर हो या फिर विवेकानंद या फिर सुभाष चंद्र बोस, तमाम महापुरुषों को अपने पोस्टर और बैनर में जगह दे रही है और यह बताने की कोशिश कोशिश कर रही है कि उनकी विचारधाराओं के साथ हमारी पार्टी बंगाल में आएगी। वर्तमान में 12 जनवरी को विवेकानंद की जयंती पर और 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पार्टी अलग अलग जगह पर कई कार्यक्रम करने की तैयारी में है।

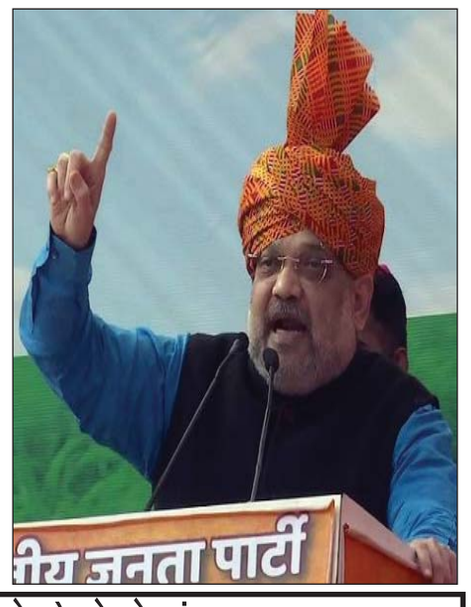

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)